PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 297 ● भिलाई, सोमवार 08 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

तेज रफ्तार डंपर ने कार को कुचला, एक ही गांव के पांच युवकों की मौत

मोरबी। गुजरात के मोरबी-हलवद हाईवे पर चरड़वा गांव के बाहरी इलाके में शुक्रवार रात एक भीषण सड़क हादसे में रणछोड़गढ़ गांव के पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार एक फैक्ट्री से निकल रहे डंपर से टकरा गई, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, रणछोड़गढ़ निवासी दिलीप दहैया का 24 वर्षीय पुत्र परेश दहैया मानसर गांव के पास बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने के उद्देश्य से गांव के कुछ युवक कार में लेकर रवाना हुए थे। रात करीब 9:30 बजे चरड़वा गांव के पास एक पेट्रोल पंप के सामने फैक्ट्री से निकल रहे डंपर ने अचानक मोड़ लिया। अस्पताल पहुंचने की जल्दबाजी में कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सीधे डंपर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार डंपर के नीचे घुस गई और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए।

यूएन में कश्मीर राग अलापने पर भारत ने पाक को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान द्वारा उठाए गए बयानों का जवाब देते हुए, भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में शुक्रवार को इस्लामाबाद को 'गलत और पक्षपाती नैरेटिव फैलाने' के लिए चेतावनी दी। पी. हरीश ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े सभी मामले भारत के आंतरिक हैं और यह केंद्र शासित प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा रहेगा। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत कोई भी दावा बेबुनियाद है और ऐतिहासिक तथ्यों के खिलाफ है। पाकिस्तान की खोखली बयानबाजी और झूठे दावे इस बुनियादी सच्चाई को नहीं बदल सकते, उन्होंने जोड़ा। यह जवाब हरीश ने तब दिया जब पाकिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अदमग ने परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान केंद्र शासित प्रदेश का जिक्र किया।

दिल्ली पुलिस ने होटल के कुक केशव नेगी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर अग्निकांड में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, पुलिस ने कुछ अन्य लोगों को अपनी हिरासत में लिया है। फिलहाल, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शनिवार को गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुक केशव नेगी के रूप में हुई है, जो दिलशाद गार्डन का रहने वाला है। दिल्ली पुलिस की जांच में सामने आया है कि आग लगने में कुक की लापरवाही थी। जांच के दौरान अधिकारियों को कथित तौर पर सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघन। और इमारत के फायर सेफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गंभीर कमियां मिली थीं। इस मामले में पुलिस होटल के मालिक लवकेश बजाज के अलावा अन्य आरोपी स्वीटी सरकार और पुष्पो सरकार को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मालिक बजाज बाद में चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। बता दें कि इस घटना में कई विदेशी नागरिकों समेत कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई थी।

इजरायल का लेबनान पर भीषण हमला

150 ठिकाने ध्वस्त......ब्रिगेडियर जनरल समेत 12 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय दबाव और मध्यस्थता की कोशिशों को दरकिनार करते हुए दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभियान छेड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, इजरायली रक्षा बलों ने हिजबुल्लाह से जुड़े लगभग 150 ठिकानों पर भीषण हवाई हमले किए हैं। इन हमलों के बाद शांति वार्ता की उम्मीदों को एक बार फिर गहरा झटका लगा है इस सैन्य कार्रवाई में सबसे चौंकाने वाली खबर लेबनान की नियमित सेना को हुए नुकसान से जुड़ी है। लेबनानी सेना के आधिकारिक बयान के अनुसार, खारदाली-नबातीह मार्ग पर एक सैन्य वाहन को इजरायली मिसाइल का निशाना बनाया गया। इस हमले में लेबनानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल वस्साम सबरा और कैप्टन एली खौरी की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ एक अन्य सैनिक हुसैन गोजल ने भी अपनी जान गंवाई है। इजरायली सेना ने इस घटना पर सफाई देते हुए कहा है कि यह हमला एक युद्ध क्षेत्र में हुआ था। जहां हालात पहले से ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। लेबनान के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इसे लेबनानी संप्रभुता का खुला उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे इजरायल की इस 'क्रूर आक्रामकता' को रोकने के लिए दखल दें, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों की धज्जियां उड़ा रही है। वहीं, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी हमले की निंदा करते हुए शहीद अधिकारियों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। लेबनानी सेना का आरोप है कि इजरायल जानबूझकर ऐसे हमले कर रहा है ताकि शांति की किसी भी संभावना को विफल किया जा सके। यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिका की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच सशर्त युद्धविराम पर सहमति बनने की खबरें आ रही थीं। हालांकि, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वे हिजबुल्लाह को कोई रियायत नहीं देंगे। हाल के हफ्तों में हिजबुल्लाह द्वारा उत्तरी इजरायल और दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना पर 'फाइबर ऑप्टिक ड्रोन' से किए गए हमलों ने तनाव को और भी गंभीर बना दिया। इसके जवाब में इजरायली वायुसेना ने न केवल दक्षिणी लेबनान, बल्कि पूर्वी बेका घाटी में भी हिजबुल्लाह के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। नेतन्याहू ने लेबनानी चरमपंथी समूहों पर हमले और तेज करने का संकल्प दोहराया है, जिससे आने वाले दिनों में संघर्ष और गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

समझौते से पहले नहीं देंगे कोई राहत', ईरान की जब्त संपत्तियों पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका प्रशासन ईरान के साथ किसी समझौते पर पहुंचने से पहले उसकी जब्त हुई संपत्तियों को नहीं लौटाएंगे। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' को दिए एक साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रतिबंधों से किसी भी प्रकार की राहत केवल ईरान द्वारा भविष्य के समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद ही दी जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंधों में ढील देने पर चर्चा शुरू होने से पहले तेहरान को अपनी नीयत और प्रतिबद्धता का सबूत देना होगा। उन्होंने कहा, समझौते के बाद। हां। अगर वे ठीक व्यवहार करते हैं, अगर वे अच्छा काम करते हैं, तो हम बातचीत शुरू करेंगे। हां। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लेबनान को तेहरान के साथ किसी अल्पकालिक समझौते में शामिल करने पर जोर नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वे ऐसा देखना चाहेंगे, लेकिन मैं इसकी मांग नहीं कर रहा हूं। पश्चिम एशिया में कई महीनों से जारी संघर्ष और बढ़े तनाव के बाद स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

राज्यसभा सीट विवाद खत्म हुआ

जेएमएम-कांग्रेस में 1-1 सीट पर बनी सहमति.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

झारखंड में राज्यसभा चुनाव की दो सीटों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान अब समाप्त हो गई है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग कर रहे जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन को मना लिया है। बताया जा रहा है कि पार्टी के पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सोरेन के साथ लंबी बातचीत की, जिसके बाद वह सहमत हो गए। सूत्रों का कहना है कि दोनों दलों के बीच मतभेद खत्म होने और हेमंत सोरेन के मान जाने के बाद अब झारखंड से एक-एक सीट पर दोनों पार्टियां अपने उम्मीदवार उतारेंगी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस और जेएमएम के बीच सहमति बनने के बाद मुख्यमंत्री सोरेन ने रविवार (7 जून) रात गठबंधन के सभी विधायकों को डिनर पर आमंत्रित किया है। दरअसल, झारखंड राज्यसभा चुनाव 2026 के दौरान सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल जेएमएम और कांग्रेस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। कांग्रेस ने झारखंड निवासी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के मीडिया सलाहकार प्रणव झा को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। कांग्रेस की ओर से दो सीटों में से एक पर प्रणव झा की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद जेएमएम ने नाराजगी व्यक्त की थी। जेएमएम का आरोप था कि उसके गठबंधन सहयोगी ने उसकी सहमति के बिना यह फैसला लिया है। जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के मुताबिक, कांग्रेस ने उन्हें विश्वास में लिए बिना उम्मीदवार घोषित कर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसके बाद जेएमएम ने दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर दिया था। जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए पार्टी ने बीजेपी को जीत से रोकने के लिए दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया था।

बंगाल में टीएमसी को दोहरा झटका

पार्षद बप्पादित्य और पूर्व विधायक सुजॉय हाजरा गिरफ्तार.....

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। रविवार, 7 जून को टीएमसी के दो बड़े नेताओं कोलकाता नगर निगम के पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता और पूर्व विधायक सुजॉय हाजर को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों नेताओं पर जबरन वसूली, भ्रष्टाचार और जमीन कब्जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर 101 से पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को शनिवार को पटुली थाने की पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस उन्हें थाने लेकर पहुंची, तो वहां का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। स्थानीय लोगों की भारी भीड़ ने पुलिस वाहन को घेर लिया और पार्षद के खिलाफ 'चोर-चोर' के जमकर नारे लगाए। दासगुप्ता न केवल पार्षद हैं, बल्कि वे केएमसी में तृणमूल पार्षदों के चीफव्हिप की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। बप्पादित्य दासगुप्ता का राजनीतिक इतिहास उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी से की थी, लेकिन साल 2010 में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के प्रभाव में आकर उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया। 2015 में पहली बार पार्षद बनने के बाद उन्होंने पार्टी में अपना कद बढ़ाया।

पुलिस प्रशासन का रुख

जिले की पुलिस अधीक्षक पापिया सुल्ताना ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि सुजॉय हाजरा के खिलाफ जमीन कब्जाने और जबरन वसूली सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। उन्हें पहले जांच के लिए सालबनी थाने में बुलाया गया था, लेकिन वे वहां पेश नहीं हुए और छिपने की कोशिश करने लगे। पुलिस अब दोनों नेताओं से गहन पूछताछ कर रही है ताकि इन भ्रष्टाचार और अपराध के मामलों से जुड़े अन्य सूत्रों का पता लगाया जा सके। बंगाल की राजनीति में इन दो बड़ी गिरफ्तारियों ने सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलों को बढ़ा दिया है।

किसी भी हाल में फेंसिंग नहीं रोकी जाएगी,100 प्रतिशत फेंसिंग होगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री निसिथ प्रामाणिक ने बंगाल की राजनीति और खेल से जुड़े मामले पर आईएएनएस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने टीएमसी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। मंत्री निशिथ प्रमाणिक ने कहा कि पिछला 15 वर्ष बंगाल के लिए अंधेर युग था। केवल राजनीति या विकास पर ही नहीं बल्कि खेल पर भी 15 वर्ष तक अंधेरा छाया रहा। अब बंगाल में परिवर्तन हुआ है, सूर्योदय हुआ है। भाजपा की सरकार हर क्षेत्र में प्रगति करने के बारे में सोचती है।

सात दिनों में इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान

दिल्ली के जंतर-मंतर से सीजेपी मुखिया दीपके का अल्टीमेटम, देशव्यापी आंदोलन का फूंका बिगुल

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले हजारों छात्रों और युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था में कमियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए सात दिनों का अल्टीमेटम दिया है। इस शांतिपूर्ण आंदोलन को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का भी पूरा समर्थन मिला है। देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर बड़े आंदोलन का गवाह बना। रविवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार को दो टूक चेतावनी दे दी। उन्होंने साफ कहा कि जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन तो महज एक ट्रेलर था। अगर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अगले सात दिनों में इस्तीफा नहीं दिया या उन्हें पद से नहीं हटाया गया, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप अख्तियार कर लेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखे अपने पोस्ट में दीपके ने शनिवार के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारी भीड़ देश की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं और छात्रों के गुस्से का प्रतीक है। दीपके ने लिखा, 'कल हजारों लोगों ने मिलकर एक नया इतिहास रचा। जंतर-मंतर पर हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने सरकार को यह दिखा दिया कि जब आम जनता एकजुट होती है, तो उसमें कितनी ताकत होती है।'इस प्रदर्शन की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद छात्र, नौजवान और बच्चे बड़ी संख्या में अपनी आवाज उठाने पहुंचे थे। दीपके के मुताबिक, सामूहिक उपस्थिति ने लोगों को हिम्मत दी।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।

मानसून सत्र से पहले कैबिनेट में होगा फेरबदल

कई मंत्रियों की छुट्टी तय चड्ढा बन सकते हैं मंत्री...

नई दिल्ली। बंगाल में जीत के बाद बीजेपी ने अब पंजाब पर फोकस बढ़ा दिया है। मानसून सत्र से पहले संभावित केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार में पंजाब से मंत्रियों की संख्या बढ़ सकती है। चर्चा है कि राज्यसभा के लिए नामित किए गए तरुण चुग को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। अगर चुग मंत्री बनते हैं तो पार्टी को पंजाब विधानसभा चुनावों में इसका सीधा लाभ मिल सकता है। चुग पिछले कुछ वर्षों में बीजेपी नेतृत्व के भरोसेमंद नेता के रूप में उभरे हैं। संभावना यह भी जताई जा रही है कि आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर बीजेपी में आए राघव चड्ढा भी मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में पंजाब को विधानसभा चुनावों से पहले दो नए मंत्री मिल सकते हैं। आप के सात राज्यसभा (छह पंजाब के) सदस्य राघव चड्ढा के नेतृत्व में ही बीजेपी में शामिल हुए हैं। बीजेपी ने रवनीत सिंह बिट्टू को दोबारा राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया है।

मोदी सरकार में 1 लाख सरकारी स्कूल बंद

प्राइवेट स्कूलों की संख्या 14 प्रतिशत बढ़ी-यूपी में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के भीतर एक के बाद एक पेपर लीक की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। वहीं, सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं की तुलना में तेजी से बढ़ते प्राइवेट संस्थानों की संख्या भी लोगों के लिए चिंता का विषय बन रहा है। लोगों का ऐसा कहना है कि शिक्षा का बाजारीकरण होने से पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर संसद से लेकर नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों में एक बेहद चौंकाने वाला सच सामने आया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक (2014-15 से 2024-25) के दौरान भारत में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे में बड़ा फेरबदल हुआ है। जहां एक तरफहजारों सरकारी स्कूलों पर ताला लटका है या उन्हें दूसरे स्कूलों में मर्ज (विलय) कर दिया गया है, वहीं दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी और नीति आयोग की लेटेस्ट रिपोर्ट 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया' के अनुसार, वर्ष 2014-15 में देश में सरकारी स्कूलों की कुल संख्या 11,07,101 थी, जो वर्ष 2024-25 तक घटकर लगभग 10,13,000 रह गई है। इसका सीधा मतलब यह है कि पिछले 10 वर्षों में देश भर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल कम हुए हैं, जो कि 8% की गिरावट को दर्शाता है। इसके ठीक उलट, इसी समय के दौरान प्राइवेट

स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई है, जिसमें लगभग 14.9% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकारी स्कूलों के बंद होने या विलय होने की इस रफ्तार में देश के दो बड़े राज्य सबसे आगे रहे हैं। कुल बंद हुए स्कूलों में से अकेले 60.9 प्रतिशत स्कूल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से हैं। इस लिस्ट में मध्य प्रदेश सबसे आगे है, जहां सरकारी स्कूलों की संख्या में 24.1 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। यह आंकड़ा 2014-15 के 1,21,849 स्कूलों से घटकर अब 92,439 रह गया है, जो कि 29,410 स्कूलों की कमी दर्शाता है। इसके अलावा यूपी में सरकारी स्कूलों की संख्या 1,62,228 से घटकर 1,37,102 रह गई है, जो 25,126 स्कूलों की कमी को उजागर करता है हालांकि, इसी दौरान उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 19,305 नए प्राइवेट स्कूल भी खुले हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अलावा ओड़िशा में 17.1 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 16.4 प्रतिशत, और झारखंड में 13.4 प्रतिशत सरकारी स्कूल कम हुए हैं। इस विपरीत लहर के बीच बिहार में सरकारी स्कूलों की संख्या में 5% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 74,291 से बढ़कर 78,120 हो गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन का प्रेरक आयोजन

करिया आमा जंगल सफारी में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कवर्धा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा वन मंडल कबीरधाम के सहयोग से करिया आमा जंगल सफारी स्थल में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भुवन पटेल, जिला अध्यक्ष श्याम टंडन, पत्रकार डी.एन. योगी, ग्राम पंचायत चौरा की सरपंच दुर्गा लांझी, भोरमदेव अभ्यारण्य के सहायक परिक्षेत्र अधिकारी जय बंजारे सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पत्रकार एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पौधारोपण के साथ हुआ। उपस्थित अतिथियों ने जंगल सफारी परिसर में विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता, बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण तैयार करने पर विस्तार से अपने

विचार व्यक्त किए। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भुवन पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति और मानव जीवन का संबंध अत्यंत गहरा है। यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि धरती को बचाने का एक सशक्त माध्यम है। पटेल ने लोगों से अपील की कि वे केवल पौधे लगाकर ही न रुकें, बल्कि उनकी देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित भी रखें। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज को जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे अभियानों में पत्रकारों की भागीदारी समाज के लिए प्रेरणादायी है। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के जिला अध्यक्ष श्याम टंडन ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि जंगल, जल और जमीन हमारे जीवन के आधार हैं तथा इनके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से घटते वन क्षेत्र और बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में पौधारोपण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। पत्रकार डी.एन. योगी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का विषय है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति को पूजनीय माना और पेड़-पौधों को जीवनदाता का दर्जा दिया। भारतीय संस्कृति में वृक्षों का विशेष महत्व रहा है, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। योगी ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करने और सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी माध्यम है। उन्होंने छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्राम पंचायत चौरा की सरपंच दुर्गा लांझी ने कहा कि ग्रामीण जीवन और प्रकृति का संबंध सदैव से अटूट रहा है। गांवों में लोग पेड़-पौधों और जल स्रोतों के महत्व को समझते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने इस आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन एवं वन विभाग को बधाई देते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। भोरमदेव अभ्यारण्य के सहायक परिक्षेत्र अधिकारी जय बंजारे ने वनों और जैव विविधता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वन केवल हरियाली का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे जल संरक्षण, वर्षा चक्र, जलवायु संतुलन और वन्यजीव संरक्षण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि एक विकसित और स्वस्थ समाज के लिए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है। बंजारे ने लोगों को पौधारोपण के वैज्ञानिक लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि प्रतिवर्ष एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और पौधों की सुरक्षा एवं संवर्धन का वचन दिया। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी साझा की। करिया आमा जंगल सफारी की प्राकृतिक सुंदरता के बीच आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने यह संदेश दिया कि प्रकृति का संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। लगाए गए पौधे भविष्य में न केवल हरियाली बढ़ाएंगे, बल्कि स्वच्छ वातावरण और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह आयोजन छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन की सामाजिक प्रतिबद्धता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी सकारात्मक सोच का प्रतीक रहा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि यदि समाज, प्रशासन और जागरूक नागरिक मिलकर प्रयास करें तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

अल्ट्राटेक रावन सीमेंट वर्क्स में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

बलौदाबाजार। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रावन सीमेंट वर्क्स में ईस्ट क्लस्टर के सीओओ आशीष पनपलिया, इकाई प्रमुख, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पूरे प्लांट परिसर में विभिन्न स्थानों पर टूल बॉक्स टॉक एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। सभी कर्मचारियों को एक-एक पौधा वितरित किया गया। सभी कर्मचारियों

ने अपने-अपने घरों में पौधारोपण कर उनकी देखभाल एवं उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। सीएसआर एवं पर्यावरण विभाग की टीम द्वारा आसपास के गांवों में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ग्रामीणों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त ट्रक यार्ड में वाहन चालकों के बीच भी पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत कॉलोनी के बच्चों के लिए ड्राइंग एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हाई स्कूल में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान का शुभारम्भ

सरायपाली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल रोहिना में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान की शुरुआत करते हुए पौधारोपण किया गया। इको क्लब प्रभारी कमलेश साहू ने बताया कि मिशन लाइफ अंतर्गत इको क्लब के माध्यम से विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियां आयोजित किया जाना है तथा विद्यालय स्तर पर 5-30 जून तक ग्रीन समर कैम्प आयोजित किये जायेंगे जिसमें स्वस्थ जीवन शैली, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, ई कचरा कम करना, ऊर्जा, पानी बचाना, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करना जैसे विषय पर गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम 3.0 विशेष अभियान की शुरुआत की जा रही है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई उस अभियान का तीसरा

चरण है, जिसके अंतर्गत हर नागरिक को अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस वर्ष वृहद वृक्षारोपण अभियान पांच जून से 30 जून तक चलेगा। स्कूल परिसर में सरपंच धनुर्जय मरकाम, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष नेपाल साहू द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' 3.0 अभियान का शुभारंभ करते हुए आम, जामुन पौधा का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पिछले वर्ष लगाए गए पौधों का देखभाल करते हुए उसमें क्यारियां बना कर पानी की सिंचाई की गई। इस अवसर पर प्राथमिक शाला प्रधान पाठक बोधन पटेल दुर्गापाली संकुल समन्वय मनोरंजन साहू, कौशल सेठ, खिरोद्र साहू, जितेश बेहेरा, हीरालाल साहू, आनंद यादव, सचिन साहू आदि उपस्थित थे।

प्री.बीएड एवं बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 11 जून को, पर्यवेक्षक नियुक्त

धमतरी। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल व्यापम रायपुर द्वारा आयोजित प्री.बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 एवं बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2026 का आयोजन 11 जून गुरुवार को पूर्वान्ह 10 बजे से 12.15 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन के लिए जिले के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। जारी आदेश के अनुसार जिले के 13 परीक्षा केन्द्रों के लिए पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें सीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी, नारायण राव मेघावाले शासकीय कन्या महाविद्यालय, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलाईमाता मंदिर परिसर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांधी चौक, नत्थूजी जगताप नगर निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एमआरडी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बठेना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम हायर सेकेंडरी स्कूल हटकेस्वर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूद्री, मॉडल इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल सोरिद नगर, गोकुलपुर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सोरम, नूतन हिन्दी हायर सेकेंडरी स्कूल मराठापारा तथा मेनोनाइट हिन्दी हायर सेकेंडरी स्कूल रत्नाबांधा चौक सहित अन्य केन्द्र शामिल हैं। परीक्षा कार्य के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर उपयोग के लिए रिजर्व पर्यवेक्षकों की भी व्यवस्था की गई है। सभी पर्यवेक्षकों को शासकीय पीजी महाविद्यालय धमतरी के नवीन भवन स्थित स्मार्ट क्लास रूम में आयोजित ब्रीफिंग में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

स्काउट-गाइडस द्वारा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सरायपाली। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के खास अवसर पर पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता संरक्षण का व्यापक संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया एवं स्वच्छता ही सेवा धर्म का अलख जगाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस की थीम - स्वच्छ और हरित पर्यावरण एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। तहत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी ने वृक्षारोपण एवं स्वच्छता कार्य की प्रशंसा की एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी को आगे आने की अपील की। बीईओ एवं पदेन सहायक जिला आयुक्त स्काउट टी.सी.पटेल ने कहा कि नीम, करंज आदि का रोपण जैव विविधता संरक्षण एवं हरी भरी वातावरण के लिए जरूरी है। जिला प्रतिनिधि स्काउटर किशोर कुमार पटेल ने इस अवसर

पर कहा कि प्रकृति को संरक्षित रखने का कार्य हम सबको सामुहिक रुप से करना जरूरी है,छोटा छोटा ही सही मगर साझा प्रयास से ही सार्थक परिणाम दिखाई देगा। पूर्व सचिव एवं मीडिया प्रभारी हेमंत चौधरी ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है क्योंकि इसके प्रदूषित होने से विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होंगी जो हम सबके लिए घातक सिद्ध होगा। स्थानीय संघ सचिव यशवंत कुमार चौधरी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर किया।प्रकृति संरक्षण,जल संवर्धन, वृक्षारोपण और पर्यावरण संतुलन के प्रति जिम्मेदारी निभाने और नई पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने की जरूरत पर बल दिया। स्काउट प्रभारी शिक्षक संजय नंद ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधरोपण और थीम - प्रकृति से प्रेरित,जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए सार्थक है। स्काउट नागेस्वर दीवान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब सीधे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है इसलिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और प्रकृति के साथ जीवन जीने की जरूरत पर बल दिया और पर्यावरण संरक्षण के लिए खूब मेहनत करने और प्लास्टिक मुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण अभियान जलवायु संरक्षण अभियान आदि से सक्रियता से जुड़कर धरातल पर कार्य करने प्रेरित किया गया। साथ ही आसपास के लोगों को भी इस अभियान से जोड़ने की अपील की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कांटा तालाब में पौधारोपण

धमतरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कांटा तालाब परिसर में जनजागरण समिति द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा आमजन को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना उद्देश्य है। इस अवसर पर वहां निर्माण कार्य करने वाले मजदूरों के हाथों 1 पीपल और 1 बरगद के पौधे लगाए गए, उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उसे पेड़ बनाने समय की आवश्यकता है।

संस्था ने ट्री गार्ड लगा कर इन्हें पेड़ बनाने का संकल्प लिया है। एक पेड़ न केवल पर्यावरण को शुद्ध करता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का आधार भी बनता है। कार्यक्रम के दौरान सभी से अपने घर, मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने पेड़ बनाने की अपील की गई। उपस्थितजनों ने पौधे लगाएं, पेड़ बनाने का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों के लिए जनवरी से सैलरी पैकेज योजना लागू

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों के लिए जनवरी से सैलरी पैकेज योजना लागू की गई है। जिसके तहत सेवा में रहते हुए अधिकारी कर्मचारियों की दुर्घटना से मृत होने पर एक करोड़ रुपये व सामान्य मृत होने पर दस लाख रुपए का इंस्योरेंस होता है।जिसे मृतक अधिकारी कर्मचारी के नामांकित सदस्य को संबंधित बैंक द्वारा प्रदान किया जाता है।विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत सेवा राम वर्मा प्रधान पाठक पद पर पंडित चक्रपाणि शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बलौदाबाजार में कार्यरत थे जिसका शासकीय सेवा में रहते हुए हृदयाघात से 12 फरवरी को निधन हो गया। जिसका सैलरी पैकेज खाता भारतीय स्टेट बैंक गार्डन चौक बलौदाबाजार में संचालित था। छत्तीसगढ़ शासन के सैलरी पैकेज योजना के तहत मृतक की पत्नी लक्ष्मी वर्मा को बैंक के प्रबंधक नितिन गिरी गोस्वामी एवं राजन कुमार द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बलौदाबाजार में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी के एस मेरावी की उपस्थिति में दस लाख रुपए की इंस्योरेंस राशि की चेक प्रदान की गई। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के ऋतु शुक्ला एम एल साहू,अरुण वर्मा, रुपेश कमल, रमेश कुमार साव, नवीन वर्मा सहित कार्यालय के अन्य कर्मचारीगण व मृतक की सुपुत्री पदमनी वर्मा उपस्थित थी।

युवक द्वारा आधी रात ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से किया अभद्र व्यवहार

नागरिकों ने की घटना की निंदा

धमतरी। छत्तीसगढ़ पुलिस के महानिदेशक अरूण देव गौतम के निर्देश पर धमतरी एसपी के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रात्रि गश्त लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्थानीय ग्राम मुजगहन में बने ओव्हर ब्रिज के पास तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा वहां से गुजरने वाले विभिन्न दो पहिया, चार पहिया वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी बीच रात लगभग 1 बजे मोटर सायकल से एक व्यक्ति अपने परिवार के साथ गुंडरदेही मार्ग में जा रहे थे। तभी ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोककर पूछा गया कि आप इतनी देर रात कहां से आ रहे हैं।

पुलिस की इस बात से नाराज होकर उक्त युवक पुलिस पर ही बरस पड़ा और उनसे यह पूछने लगा कि आप कौन होते हो मुझसे पूछताछ करने वाले। इसी बीच युवक और पुलिस के बीच काफी देर तक बहस होते रहा। घटना की खबर मिलते ही अधिकारी के साथ साथ अर्जुनी थाना प्रभारी चंद्रकांत साहू घटना स्थल पर पहुंचे। टीआई के समझाने के बाद भी उक्त युवक अपना आपा खोते हुए टीआई से भी उलझ पड़ा और उनसे अभद्रता पूर्वक व्यवहार करते हुए देख लेने की धमकी भी देने लगा। हालांकि सोशल मीडिया में चल रहे वीडियो में युवक अपने आप को बचाते हुए पुलिस के खिलाफ एक वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने भी पूरी घटना का सिलसिलेवार वीडियो जारी कर बताया कि किस तरह उक्त युवक पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार कर रहा है जबकि रात्रि में तैनात पुलिस कर्मी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। उल्लेखनीय रहे कि कुछ माह पहले बोर्ड़ई चेकपोस्ट में भी ऐसी ही घटना का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वाहनों की चेकिंग कर रहे पुलिस जवानों के द्वारा वाहन रोकने के बाद भी चार पहिया वाहन चालक वाहन नहीं रोका और सीधे बाजार चला गया जिसकी जानकारी होने पर थाना प्रभारी बाजार पहुंचे और उक्त वाहन चालक से यह पूछा कि आपने पुलिस के रोकने के बाद भी वाहन को क्यों नहीं रोका जिस पर उक्त वाहन चालक भी पुलिस से उलझते हुए टीआई को देख लेने की धमकी देने लगा। हालांकि सोशल मीडिया में जारी उक्त वीडियो में संबंधित वाहन चालक, पुलिस पर अनेक मिथ्या आरोप लगाते रहा जिसकी सच्चाई जांच में सामने आ गई।

वैसे भी आम नागरिकों या गुजरने वाले या वाहन चालकों को पुलिस विभाग द्वारा समय समय पर किये जाने वाले अभियान की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिये और उनके ईशारे पर अपनी वाहन को रोककर अपने जागरूक नागरिक होने का परिचय दिया जाना चाहिये। लेकिन उक्त वाहन चालक ने बोर्ड़ई थानेदार के साथ जो दुर्व्यवहार किया वह किसी सभ्य नागरिक का परिचायक नहीं है। हालांकि इसकी जांच में पूरी गलती उक्त वाहन चालक की रही जिसने आरक्षक के हाथ दिखाने पर भी अपने वाहन को नहीं रोका और कानून को अपने हाथ में लिया था। एक मोटर सायकल में सवार व्यक्ति को वाहन चेकिंग के दौरान रोका गया। उक्त दोपहिया वाहन चालक से ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने यह पूछा कि आप इतनी देर रात परिवार को लेकर कहां जा रहे हैं और इस पर उक्त युवक पुलिस पर तमककर चिल्लाने लगा और यह कहने लगा कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हो गई, मेरे वाहन को रोकने की। इस तरह ड्यूटी पर तैनात कर्मियों से अभद्र व्यवहार करने लगा जिसकी जानकारी कर्मियों द्वारा टीआई चंद्रकांत साहू को दूरभाष के माध्यम से दी गई।

जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी घटना स्थल पर पहुंच गये और उन्होंने उक्त वाहन चालक से पूछा कि इतनी रात कहां से आ रहे हो, तो उसने बताया कि मैं अपनी पत्नि और बच्चे के साथ सिनेमा देखने गया था और अपने घर वापस जा रहा हूं। लेकिन वाहन संबंधी दस्तावेज मांगने पर वह उत्तेजित होकर थाना प्रभारी से तू-तड़ाक करने लगा। साथ ही साथ उसने थाना प्रभारी को धमकी दी कि वह राजधानी में बैठे डीजीपी, आईजी को बोलकर उसे निलंबित करा देगा। उसकी मनःस्थिति देखते हुए थाना प्रभारी ने उसे जाने दिया। लेकिन दूसरे दिन शनिवार को यह मामला समूचे जिले में चर्चित हुआ। जागरूक नागरिकों का कहना है कि एक अच्छे शहरी के लिये पुलिस विभाग द्वारा अपनाई जा रही जांच प्रक्रिया का पालन करना जरूरी होता है। हो सकता है इसमें यात्रा करने वाले लोगों का हित भी हो। लेकिन इसकी अनदेखी कर पुलिस विभाग के जांच प्रक्रिया का पालन नहीं करते और अकड़कर आगे बढ़ जाते हैं। शहर से लगभग 7 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम मुजगहन में घटित इस घटना को लेकर एक बार फिर अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार की जानकारी लोगों को लगने पर उक्त वाहन चालक के द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों सहित थाना प्रभारी से की गई अभद्र व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा की जा रही है और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से जागरूक लोगों ने मांग की है कि उक्त वाहन चालक पर उचित कार्यवाही की जाये ताकि अधिकारियों के साथ लगातार हो रही अभद्रता पूर्वक व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो सके।

संक्षिप्त समाचार

6 वारंट तामील, गांजा-शराब जब्त, कई आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी नार्थ जोन के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गुरुवार को नार्थ जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष कॉम्बिंग गश्त एवं सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, वारंटों की तामीली तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई। थाना गुढ़ियारी, उरला, खमतराई एवं चौकी रामनगर की संयुक्त टीमों ने अभियान के दौरान कुल 6 वारंटों की तामीली की, जिनमें 3 स्थायी वारंट और 3 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। पुलिस ने थाना उरला क्षेत्र में आरोपी चंदन नेताम को 2 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया, जबकि गजेंद्र दास मानिकपुरी को 33 पौवा देसी शराब के साथ पकड़ा गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ क्रमशः नारकोटिक्स एक्ट एवं आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। इसके अलावा 4 अलग-अलग प्रकरणों में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत 11 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। वहीं आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों, गुंडा बदमाशों एवं चाकूबाजों की सघन जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे तथा कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

टिकरापारा पुलिस का सख्त अभियानः 25 बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

रायपुर। राजधानी के टिकरापारा थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए 25 बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करते पाए गए 13 लोगों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। डीसीपी वेस्ट जोन संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा तथा सहायक पुलिस आयुक्त नवनीत पाटिल के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी राजेश कुमार मरई ने क्षेत्र में सघन पेट्रोलिंग और चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस की दो संयुक्त टीमों ने संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की जांच, वाहनों की तलाशी तथा सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी करने वालों पर विशेष निगरानी रखी। अभियान के दौरान नशेड़ी, गांजा सेवन करने वाले, चाकूबाज और अड्डेबाजों सहित कुल 25 लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 एवं 135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए इस्तगासा तैयार कर एसीपी कार्यालय में प्रस्तुत किया गया।

प्रेमी जोड़े ने की आत्महत्या, पेड़ पर लटके मिले दोनों के शव

रायपुर। जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरगवां गांव में गुरुवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई। गांव के बाहर एक पेड़ पर प्रेमी जोड़े के शव फंदे से लटके मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सुबह ग्रामीणों और परिजनों ने गांव के बाहर एक पेड़ पर युवक और युवती के शव लटके हुए देखे। इसके बाद तत्काल इसकी सूचना उदयपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच के दौरान घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस को आशंका है कि प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक विरोध या किसी अन्य निजी कारण के चलते दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठाया हो सकता है। हालांकि, जांच पूरी होने और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। उदयपुर थाना पुलिस ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। वहीं एक साथ प्रेमी जोड़े की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

पति की प्रताड़ना से परेशान महिला ने गंगरेल बांध में लगाई छलांग

रायपुर। जिले के प्रसिद्ध गंगरेल बांध में एक महिला द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने से हड़कंप मच गया। महिला ने अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी को किनारे छोड़कर बांध के पानी में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से उसकी जान बच गई और उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, महिला की पहचान सतवंतीन निर्मलकर के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पुरी गांव की निवासी बताई जा रही है। वह पिछले कुछ महीनों से नगरी क्षेत्र के छिपलीपारा स्थित अपने मायके में रह रही थी। महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति लंबे समय से उसे प्रताड़ित कर रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थी। बताया जा रहा है कि इसी तनाव से तंग आकर वह अपनी डेढ़ साल की बच्ची को लेकर गंगरेल बांध पहुंची और आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया। महिला को पानी में उतरते देख आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल बचाव कार्य किया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फिलहाल महिला का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है और महिला के आरोपों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

200 एकड़ जमीन का फर्जीवाड़ा मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के अभनपुर थाना क्षेत्र में करीब 200 एकड़ बेशकीमती जमीन की फर्जी रजिस्ट्री और हड़पने के प्रयास का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम थनौद स्थित विभिन्न खसरों की लगभग 200 एकड़ भूमि राजस्व रिकॉर्ड में केशव अवस्थी के नाम दर्ज थी। आरोप है कि वर्ष 2023 में इस जमीन को अवैध रूप से अपने नाम कराने के लिए एक सुनियोजित साजिश रची गई। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी मिर्जा परवेज ने अपने सहयोगियों अब्दुल नईम, आरिफ अली और रोमेश पाण्डेय के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए।

सुशासन तिहार में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव निकले फील्ड पर

कहा गुणवत्ता और समय-सीमा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-साव

- निर्माण कार्यों की प्रगति और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा भी करेंगे
- कांकेर में नालंदा परिसर का काम देखा, निर्माणाधीन अमोड़ा-नरहरपुर सड़क का भी किया निरीक्षण

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने चार दिवसीय बस्तर प्रवास के पहले दिन आज कई कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। वे इस दौरान कांकेर के कोटतरा में सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में भी शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान ग्राम पंचायत के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक, सामग्री और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। श्री साव आगामी चार दिनों तक बस्तर में रहकर निर्माण कार्यों और योजनाओं के मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन का निरीक्षण करेंगे। वे इस दौरान बस्तर संभाग के सभी जिलों के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। वे आज अपने बस्तर प्रवास के पहले दिन कांकेर पहुंचे, जहां उन्होंने चारामा विकासखण्ड के ग्राम बड़ेगौरी में जल जीवन मिशन के कार्यों का जायजा लिया। जल जीवन मिशन के तहत यहां दो करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण और रेट्रोफिटिंग कर 391 घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। श्री साव ने घरों में जाकर जल आपूर्ति भी देखी। वे वहां जल अर्पण कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कांकेर में

निर्माणाधीन 250 सीटर नालंदा परिसर के कार्यों का निरीक्षण किया। चार करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कार्यों में तेजी लाते हुए आगामी अक्टूबर माह तक इसका निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कांकेर में जिला मुख्यालय के अनुरूप साफ-सफाई की व्यवस्था और जनसुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने अमोड़ा-नरहरपुर सड़क के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए ठेकेदार और कार्यपालन अभियंता को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय-सीमा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने वर्क-फोर्स और मशीनरी बढ़ाकर कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। 40 करोड़ 23 लाख रुपए की लागत से 16 किमी इस टू-लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। कांकेर के विधायक श्री आशाराम नेताम भी सभी कार्यों के निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

शिक्षा के साथ कौशल विकास से बढ़ता है आत्मविश्वास

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोरमी में कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने युवाओं को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और अपने कौशल को लगातार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में संचालित गतिविधियों का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों के अनुभव भी सुने। श्री साव ने कहा कि स्थानीय युवाओं को उनकी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सेवानिवृत्ति के बाद आराम नहीं, बल्कि खेती में नई पहचान बनाने का सपना..

- कम लागत, बेहतर परिणामरू कृषक भागबली देवांगन ने अपनाई नैनो उर्वरक आधारित खेती

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ शासन किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कृषि को अधिक लाभकारी एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से किसानों को समय पर खाद-बीज, उन्नत कृषि आदान तथा नवीन तकनीकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। शासन की इस किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के प्रभाव से कोरबा जिले के किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ खेती की लागत कम करने में भी सफल हो रहे हैं। कोरबा जिले के ग्राम छुरीकला निवासी श्री भागबली देवांगन एक मेहनती और प्रगतिशील किसान हैं, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद भी सक्रिय जीवन को अपनाते हुए खेती को अपनी प्राथमिकता बनाया है। उनका मानना है कि किसान कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि अपने अनुभव और परिश्रम से खेती को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करता है। इसी सोच के साथ वे आज भी पूरी लगन और समर्पण के साथ कृषि कार्यों में जुटे हुए हैं।

श्री देवांगन लगभग साढ़े तीन एकड़ कृषि भूमि में मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। वर्षों से खेती से जुड़े होने के कारण वे समय के साथ कृषि में आ रहे बदलावों को अपनाने के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि खेती में अच्छे उत्पादन के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही तकनीक और उर्वरकों का उपयोग भी आवश्यक है। इसी सोच के तहत पिछले दो वर्षों से वे अपनी फसलों में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसल की बढ़वार बेहतर हुई है तथा पौधों का विकास अधिक संतुलित रूप से हुआ है। इसके साथ ही उत्पादन में भी सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि पहले जहां पारंपरिक उर्वरकों पर अधिक खर्च करना पड़ता था, वहीं नैनो उर्वरकों के उपयोग से लागत में कमी आई है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनी है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों को समय पर खाद-बीज एवं कृषि आदान उपलब्ध कराए जाने से खेती की तैयारियां आसान हुई हैं।

सुशासन तिहार मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सुनीं 17 गांवों की समस्याएं

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2026 के तहत सूरजपुर जिला के भैयाथान विकासखंड के चंद्रमेढ़ा में आयोजित समाधान शिविर में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सभी आवेदनों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चंद्रमेढ़ा हाईस्कूल मैदान में आयोजित शिविर में 17 ग्रामों के ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में सुशासन तिहार के तहत पहले प्राप्त 629 आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की गई, जिनमें 612 मांगों और 17 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। वहीं शिविर के दौरान 328 नए आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए सौंपा गया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर इसकी जानकारी आवेदकों तक भी पहुंचाई जाए। शिविर में जनकल्याणकारी गतिविधियों के तहत 100 पौधों का वितरण किया गया। पात्र हितग्राहियों को 4 नए राशन कार्ड प्रदान किए गए, जबकि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और 8 शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, खाद्य तथा महिला एवं बाल विकास विभागों के स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। सुशासन तिहार के तहत आयोजित इस जनसंवाद में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि शासन की मंशा केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए जनसमस्याओं के समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

सुशासन तिहार से मौके पर ही मिली नई किसान किताब......

- आमजन और प्रशासन के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम बन रहे हैं जन समस्या निवारण शिविर

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और समयबद्ध समाधान का एक प्रभावी जरिया साबित हो रहा है। इसी कड़ी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले के पेंड्रा निवासी किसान अमृत लाल को इस

जनहितकारी पहल से बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से अपनी क्षतिग्रस्त व पुरानी किसान किताब के कारण परेशान चल रहे अमृत लाल की समस्या का निवारण सुशासन तिहार शिविर के माध्यम से तत्काल कर दिया गया। पेंड्रा के परिश्रमी कृषक अमृत लाल ने बताया कि खेती-किसानी और भूमि संबंधी कार्यों के लिए किसान किताब एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। शासकीय योजनाओं का लाभ लेने, बैंकिंग कार्यों और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में इसकी अनिवार्य रूप से आवश्यकता होती है। समय के साथ उनकी यह मूल किताब काफी पुरानी और जीर्ण-शीर्ण हो गई थी, जिससे उन्हें हर जगह दस्तावेज प्रस्तुत करने में बार-बार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पेंड्रा में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में जब किसान अमृत लाल ने अपनी इस व्यथा को प्रशासन के सामने रखा, तो राजस्व विभाग ने इस पर तुरंत संवेदनशीलता दिखाई। शिविर में प्राप्त आवेदन पर तत्काल आवश्यक विभागीय प्रक्रिया पूरी की गई और मौके पर ही उन्हें नई किसान किताब सौंप दी गई।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन महिलाओं की मौत

रायपुर। भीषण गर्मी से जूझ रहे छत्तीसगढ़ में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश की गतिविधियां शुरू हो गई हैं। लेकिन मौसम में आए इस बदलाव के साथ आकाशीय बिजली की घटनाएं भी बढ़ गई हैं, जिनमें पिछले 24 घंटों के दौरान तीन महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दंतेवाड़ा, बीजापुर और मनेंद्रगढ़ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर महिलाएं काम के दौरान बिजली गिरने की चपेट में आ गईं। हादसों में तीन महिलाओं की जान चली गई, जबकि दंतेवाड़ा जिले में 12 ग्रामीण आकाशीय बिजली की चपेट में आने से प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग ने 4 जून से प्रदेशभर में गरज-चमक के साथ बारिश।

समय पर मिला खाद-बीज, किसान अमर सिंह की खेती बनी आसान

जिला प्रशासन की सक्रिय पहल से खरीफ सीजन की तैयारी हुई मजबूत

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को समय पर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सुकमा जिले में देखने को मिल रहा है। खरीफसीजन शुरू होने से पहले ही जिला प्रशासन ने खाद और उन्नत बीजों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कर किसानों को बड़ी राहत दी है। इससे किसानों को बिना किसी परेशानी के खेती की तैयारी करने में मदद मिल रही है। सुकमा जिले के रोकेल गांव निवासी किसान श्री अमर सिंह भारद्वाज के लिए यह व्यवस्था किसी वरदान से कम नहीं रही। वे जब छिंदगढ़ सहकारी समिति पहुंचे तो उन्हें उनकी आवश्यकता के अनुसार 3 बोरी डीएपी, 3 बोरी यूरिया और 2 बोरी पोटाश आसानी से उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की गई। समय पर खाद, बीज और आर्थिक सहयोग मिलने से वे अब बिना किसी चिंता के धान की खेती की तैयारी कर रहे हैं। श्री अमर सिंह भारद्वाज ने बताया कि समय पर खाद और बीज मिलने से खेती का कार्य आसान हो गया है। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से मिली आर्थिक सहायता ने उनकी परेशानी भी कम कर दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से वे इस वर्ष अच्छी फसल लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने खरीफसीजन के लिए खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ वितरण व्यवस्था को भी मजबूत बनाया है। प्रशासन का प्रयास है कि दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को भी समय पर सभी आवश्यक कृषि संसाधन मिल सकें। जिला प्रशासन ने खाद-बीज की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीमों द्वारा

लगातार निरीक्षण और निगरानी की जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन की सक्रियता और पारदर्शी व्यवस्था से सुकमा जिले के किसानों में नया विश्वास पैदा हुआ है। समय पर कृषि सामग्री और वित्तीय सहायता मिलने से किसान उत्साहित हैं और बेहतर उत्पादन की उम्मीद के साथ खरीफ फसल की तैयारी में जुट गए हैं। किसान अमर सिंह भारद्वाज की कहानी इस बात का उदाहरण है कि शासन की योजनाएं और प्रशासन की संवेदनशील पहल किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

कालाबाजारी पर कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई

जांजगीर-चांपा जिले में किसानों को समय पर और उचित दर पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा निजी कृषि केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उर्वरक वितरण में अनियमितता पाए जाने पर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1372 बोरी खाद जब्त की है। उप संचालक कृषि श्री राकेश शर्मा ने बताया कि जिले के दो उर्वरक विक्रेताओं के यहां उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत कार्रवाई की गई। विकासखंड नवागढ़ के ग्राम पोड़ी स्थित मेसर्स सुरेश कुमार अग्रवाल के गोदाम से 1000 बोरी सिंगल सुपर फास्फेट तथा 272 बोरी एनपीके खाद जब्त की गई। वहीं ग्राम तुस्मा स्थित मेसर्स पटेल खाद भंडार से 100 बोरी यूरिया जब्त किया गया। जांच के दौरान संबंधित विक्रेताओं द्वारा उर्वरकों के क्रय बिल प्रस्तुत नहीं किए गए। साथ ही स्टॉक रजिस्टर का संधारण नहीं पाया गया तथा पीओएस मशीन में दर्ज मात्रा और गोदाम में उपलब्ध उर्वरक की मात्रा में भी अंतर पाया गया। इन अनियमितताओं के आधार पर विभाग ने गोदामों में भंडारित उर्वरकों को जब्त कर लिया।

संपादकीय

बंगाल में चुनाव बाद फिर सुलगा सियासी संग्राम

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बावजूद चुनाव बाद हिंसा और राजनीतिक टकराव थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। टीएमसी नेताओं पर हमलों, बढ़ते राजनीतिक तनाव और कानून-व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों ने राज्य की शासन व्यवस्था पर नई चिंता खड़ी कर दी है।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार ऐतिहासिक बदलाव लेकर आया। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह बदलाव केवल सत्ता के स्तर पर हुआ है, जमीनी हकीकत अब भी वही है। राज्य पहले की तरह ही चुनाव बाद की हिंसा और बदले की कार्रवाइयों में फंसा हुआ है। टीएमसी नेताओं पर हालिया हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पहले पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में निशाना बनाया गया। पार्टी इस मुद्दे को अदालत ले जाने और लोकसभा स्पीकर के सामने उठाने की तैयारी में है। इसके बाद, टीएमसी के चीफ विप कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन पर हमला हुआ। तृणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए भाजपा पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है।

हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह बदलाव राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए। भाजपा ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है। किसी को भी किसी भी वजह से कानून हाथ में लेने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। चुनाव बाद हिंसा बंगाल की बहुत पुरानी बीमारी है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी हिंसा के सैकड़ों केस दर्ज किए गए थे।

तब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1900 से ज्यादा मामलों की जांच की थी। इसमें स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि इससे न तो 2023 के पंचायत चुनाव और न ही 2024 के आम चुनावों में कोई सबक लिया गया। इस बार भी चुनाव परिणाम घोषित होते ही कई जगह से तोड़फोड़, मारपीट की खबरें आईं। सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई। रिजल्ट आने के तीन दिन बाद ही बंगाल पुलिस ने 200 से ज्यादा केस दर्ज कर 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। अपने नेताओं पर हमले के विरोध में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने प्रदर्शन किया। उसके और सत्ताधारी भाजपा के बीच तनाव बना हुआ है। इसका असर शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे कार्यकर्ताओं तक दिख रहा है। कानून-व्यवस्था के लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक है। सरकार और विपक्ष के बीच अगर ऐसे ही टकराव चलता रहा, तो शासन से जुड़े कामकाज पर असर पड़ेगा।

'शिंदे फॉर्मूला' बंगाल तक पहुंचा! दीदी की टीएमसी में बिखराव के मिलने लगे संकेत

असल में महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें बीजेपी और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और उस गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ था। लेकिन क्योंकि शिवसेना को मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, नाराज होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास अघाड़ी का जन्म हुआ। इस महाविकास अघाड़ी ने सरकार बनाई और बीजेपी को विपक्ष में बैठने पर मजबूर कर दिया। लेकिन उस पूरे सियासी घटनाक्रम में एक और किरदार था। वह था एकनाथ शिंदे। बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने वाले एकनाथ शिंदे कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाने को राजी नहीं थे।

(सुधांशु माहेश्वरी)

टीएमसी में जारी बवाल में इस समय कुछ अहम पहलू दिखाई दे रहे हैं। नाराज विधायक, ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई और इस्तीफों का सिलसिला।पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहली बार उसने सिर्फ सरकार नहीं बनाई, बल्कि बहुमत हासिल कर ममता बनर्जी की टीएमसी को करारी शिकस्त दी। चुनाव में बीजेपी 208 सीटें जीतने में सफल रही जबकि टीएमसी का आंकड़ा 80 सीटों पर सिमट गया। बाद में दो विधायकों को निष्कासित कर दिया गया। ऐसे में अब उनके पास विधानसभा में मात्र 78 सीटें हैं।

इस करारी शिकस्त के बाद मंथन करने के लिए टीएमसी ने तीन बार बैठक बुलाई। 6 मई को बैठक बुलाई गई तो 10 विधायक पहुंचे ही नहीं। फिर 19 मई को बैठक बुलाई गई तो 35 विधायक नदारद रहे। उसके बाद 31 मई को बुलाई गई बैठक में तो सबसे बड़ा खेल हुआ और 80 में से 60 विधायक मीटिंग में पहुंचे ही नहीं।

इसके ऊपर ममता की टीएमसी में इस्तीफों की झड़ी भी लग चुकी है। टीएमसी प्रवक्ता बिस्वजीत देब ने इस्तीफा दिया है। शांतनु सिंह, अभिजीत मजूमदार, काकोली घोष और अरुप चक्रवर्ती ने भी अपना पद छोड़ दिया है। इसके अलावा डायमंड हार्बर से 8 पार्षदों का इस्तीफा हुआ है। चंदननगर से 30 पार्षद, भाटपाड़ा से 30, गारुलिया से 18, हलिशहर से 16, उत्तर बैरकपुर से 15 और कांचरापाड़ा से 14 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं।

इन इस्तीफों के अलावा ममता बनर्जी ने उलूबेरिया से विधायक ऋतब्रत बनर्जी और एंटाली से विधायक संदीपन साहा को निष्कासित कर दिया। आरोप लगा कि दोनों पार्टी विरोधी गतिविधियों में सक्रिय थे। लेकिन असल विवाद यह था कि इन दोनों ही विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष से जुड़े प्रस्ताव और उस पर लिए गए हस्ताक्षरों की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। संदीपन साहा तो यहां तक कह चुके थे कि इसमें ऐसे विधायकों के हस्ताक्षर भी शामिल हैं जो असल में बैठक में शामिल तक नहीं हुए थे। इन आरोपों के बाद ही दोनों विधायकों को निष्कासित कर दिया गया।

विधायकों का नदारद होना, कुछ को निष्कासित कर देना और लगातार इस्तीफों का सिलसिला इस बात की ओर जरूर इशारा करता है कि टीएमसी में इस समय सब कुछ 'ऑल इज वेल' नहीं है।

मीडिया की एक रिपोर्ट दावा करती है कि कोलकाता के 'विधायक हॉस्टल' में टीएमसी नेताओं की एक सीक्रेट बैठक हो चुकी है। इस बैठक में निष्कासित विधायक के साथ-साथ कई असंतुष्ट नेता शामिल हुए और टीएमसी के भविष्य, संगठनात्मक बदलाव और नए राजनीतिक विकल्पों को लेकर चर्चा की गई।

बड़ी बात यह है कि ममता बनर्जी ने खुद पार्टी को कमजोर करने जैसी साजिशों के आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पार्टी को कमजोर करने और तोड़ने की एक संगठित साजिश चलाई जा रही है। ममता का यह कहना ही बता

रहा है कि जमीन पर असंतोष है और उन्हें भी इस बात की चिंता जरूर सता रही है कि क्या टीएमसी टूट जाएगी।

टीएमसी में जारी बवाल में इस समय कुछ अहम पहलू दिखाई दे रहे हैं। नाराज विधायक, ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई और इस्तीफों का सिलसिला। जानकार इस पैटर्न की तुलना महाराष्ट्र से करने लगे हैं जहां 2022 में एकनाथ शिंदे ने भी एक बड़ा उलटफेर किया था। उन्होंने शिवसेना में दो फाड़ कर दी थी और कई विधायकों को अपने साथ लेकर पूरी पार्टी पर कब्जा जमा लिया था।

असल में महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें बीजेपी और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और उस गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ था। लेकिन क्योंकि शिवसेना को मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, नाराज होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास अघाड़ी का जन्म हुआ। इस महाविकास अघाड़ी ने सरकार बनाई और बीजेपी को विपक्ष में बैठने पर मजबूर कर दिया।

लेकिन उस पूरे सियासी घटनाक्रम में एक और किरदार था। वह था एकनाथ शिंदे। बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने वाले एकनाथ शिंदे कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाने को राजी नहीं थे।

इसके बाद 20 जून 2022 को महाराष्ट्र विधान परिषद के चुनाव हुए और पता चला कि एकनाथ शिंदे और कुछ दूसरे विधायक मुंबई से बाहर जा रहे हैं। फिर खबर आई कि वे गुजरात के सूरत पहुंच चुके हैं। अगले ही दिन कई विधायकों को लापता बताया गया। उद्धव ठाकरे ने खतरा देखते हुए आपात बैठक बुलाई, लेकिन कई विधायक पहुंचे ही नहीं। यहीं से संकेत मिल चुके थे कि शिवसेना में दो फाड़ हो चुकी है।

इसके बाद 22 जून को शिंदे गुट असम के गुवाहाटी पहुंच गया। विधायकों की संख्या वहां बढ़ती गई। दावा किया गया कि 40 शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे के साथ हैं। फिर 22 से 28 जून तक दावों का खेल चलता रहा। शिंदे गुट की तरफ से लगातार कहा गया कि उद्धव ठाकरे के पास बहुमत नहीं है और वह सरकार में नहीं बने रह सकते।

फिर 29 जून को फ्लोर टेस्ट की नौबत आई, लेकिन उसके ठीक पहले उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया। फिर 30 जून को एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने और उन्होंने बीजेपी से हाथ मिला लिया। तब देवेंद्र फड़नवीस को डिप्टी सीएम बना दिया गया।

सरकार बना ली गई थी, लेकिन असली शिवसेना पर कब्जा करना बाकी था। ऐसे में यह मामला चुनाव आयोग के पास चला गया, जिसने 8 अक्टूबर 2022 को शिवसेना के धनुष-बाण वाले चुनाव चिन्ह को ही फ्रीज कर दिया। तब दो शिवसेना अस्तित्व में आईं। एक का नाम शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) रखा गया और दूसरी का नाम बालासाहेबांची शिवसेना यानी शिंदे गुट।

फिर लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक गई। मई 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया कि उद्धव ठाकरे वापस मुख्यमंत्री नहीं बन सकते क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। वहीं असली शिवसेना को लेकर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया और मामला चुनाव आयोग के पास ही रहा।

फिर 17 फरवरी 2023 को चुनाव आयोग ने सबसे बड़ा फैसला सुनाते हुए एकनाथ शिंदे गुट को ही असली शिवसेना घोषित कर दिया। धनुष-बाण वाला चुनाव चिन्ह भी उनके खाते में गया। इस तरह एकनाथ शिंदे ने पूरी शिवसेना पर अपना कब्जा कर लिया और उद्धव ठाकरे अलग-थलग पड़ गए। जानकार इसी को महाराष्ट्र का 'शिंदे फॉर्मूला' बताते हैं जहां सबसे पहले बागी विधायकों की नाराजगी को हवा दी जाती है, फिर उन्हें पक्ष बदलने के लिए मनाया जाता है और आखिर में सबसे बड़ा खेल होता है-दो फाड़।

अब इस समय पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के कई विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। कुछ मीडिया के सामने आकर अभिषेक बनर्जी की नीतियों की खुले तौर पर आलोचना कर रहे हैं, तो कुछ दबी जुबान ममता बनर्जी की कार्यशैली पर भी सवाल उठा रहे हैं। कई विधायकों का बैठकों से नदारद होना भी एक संकेत दे रहा है। इसी वजह से ऐसी अटकलें चल पड़ी हैं कि क्या 80 में से नदारद रहे 60 विधायक पार्टी को तोड़ भी सकते हैं?अभी इस सवाल का जवाब तो भविष्य की गर्भ में छिपा है, लेकिन ममता बनर्जी ने खतरे को भांपते हुए सड़क पर उतरने का फैसला किया है। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हो रहे हमलों को लेकर उन्होंने आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। कोलकाता पुलिस ने उन्हें इजाजत नहीं दी है, लेकिन ममता ने भी तेवर दिखाते हुए दिल्ली कूच करने की चेतावनी दे दी है।यहां समझने वाली बात यह है कि सड़क पर उतरी ममता बनर्जी की असल पहचान भी यही है। जानकार मानते हैं कि ममता बनर्जी की एक स्ट्रीट फाइटर की इमेज है। सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों ने उनकी छवि को मजबूत भी किया था। उन आंदोलनों के दम पर 34 साल के वामपंथी राज को भी खत्म किया गया था।

लेकिन तब की स्थिति और आज की स्थिति में बड़ा फर्क है। जब लेफ्ट से लड़ाई चल रही थी तब ममता की टीएमसी एकजुट थी। शुभेंदु अधिकारी जैसे बड़े नेता भी ममता के साथ खड़े थे। लेकिन आज की चुनौतियां और आज का परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। बंगाल में बीजेपी की सरकार है, टीएमसी के कई विधायक ममता और अभिषेक से नाराज बताए जा रहे हैं, पार्टी के अंदर ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई छिड़ चुकी है और लगातार हो रहे इस्तीफे सियासी तापमान बढ़ा रहे हैं।

ममता की सड़क पॉलिटिक्स क्या एक बार फिर टीएमसी को खड़ा कर पाएगी? इस सवाल का जवाब ही टीएमसी का भविष्य भी तय करेगा और ममता दीदी की आगे की रणनीति भी। (यह

जहां हम खड़े होते हैं, हमारी रीढ़ भी वहीं खड़ी होती है

(अभिषेक पाण्डेय)

ऐन रैंड का उपन्यास द फाउंटेनहेड मौलिकता और भेड़चाल के संघर्ष को सामने लाता है। हावर्ड रॉर्क आत्मनिर्भर सोच और सिद्धांतों का प्रतीक है, जबकि पीटर कीटिंग सामाजिक स्वीकृति का। जहां हम खड़े होते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है। अमिताभ बच्चन ने सिर्फ भारी-भरकम डायलॉग भर नहीं बोला था बल्कि कॉन्फिडेंस से भरे इंसानी मिज़ाज, आत्मसम्मान और चरम व्यक्तिवाद की एक ऐसी हुंकार भरी, जो सदियों के सामाजिक बंधनों को एक झटके में तोड़ देती है। जब हम इस डायलॉग की गहराई में उतरते हैं, तो हमें एहसास होता है कि यह बात सीधे तौर पर उस वैचारिक धरातल से जुड़ती है, जिसे हमने कभी हावर्ड रॉर्क के मुंह से एकदम अमिताभ बच्चन स्टाइल में बोलते हुए पढ़ा था - मैं किसी और के लिए नहीं जीता और न ही किसी और से ये उम्मीद करता हूं कि वह मेरे लिए जिए। आज से करीब 83 साल पहले ऐन रैंड ने अपने मशहूर उपन्यास ' द फाउंटेनहेड ' में यह फिलॉसफी पेश की थी। इस उपन्यास में दो मुख्य किरदार हैं - हावर्ड रॉर्क और पीटर कीटिंग जो आज के समाज का सबसे बड़ा विरोधाभास हैं। दोनों ही आर्किटेक्ट हैं। रॉर्क एक ऐसा नायक है जो अपने सिद्धांतों और मौलिकता के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाता है, वहीं दूसरी तरफ पीटर कीटिंग है, जो समाज की नजरों में सफल होने के लिए अपनी मौलिकता को मारकर सिर्फ भेड़चाल का हिस्सा बनता है। रैंड के उपन्यास के हीरो हावर्ड रॉर्क को पसंद जरूर किया गया हो, लेकिन आज की कड़वी सच्चाई यह है कि हम सब धीरे-धीरे हावर्ड रॉर्क बनने का हौसला खो रहे हैं और पीटर कीटिंग की जमात में शामिल होते जा रहे हैं। अगर हम इस वैचारिक कशमकश को भारतीय संदर्भ में देखें, तो हमारी परवरिश की बुनियाद ही एक बिल्कुल अलग विरोधाभास पर टिकी है। बचपन से हमें सिखाया जाता है 'जैसा देश, वैसा भेष'। पहली नज़र में यह बात सामाजिक सामंजस्य के लिए ठीक लगती है कि जहां रहो, वहां के सामाजिक माहौल में ढल जाओ लेकिन धीरे-धीरे यह मुहावरा हमारी मौलिकता यानी ओरिजिनैलिटी को कुचलने का एक औज़ार बन जाता है और हमें पता ही नहीं चलता। सच तो यह है कि हमारी परवरिश कुछ इस तरह होती है कि हमें खुद को तलाशने के बजाय, समाज की कसौटियों पर फिट होने के लिए तैयार किया जाता है। स्कूल जाओ, टीचर सवालों के जवाब लिखवा देती हैं और उम्मीद करती हैं कि सभी बच्चे उसी जवाब को रटा-रटाया, जस का तस लिखें एग्ज़ाम में। थोड़ा सा जवाब इधर-उधर हुआ नहीं, बच्चे ने वही बात अपनी भाषा में लिखी नहीं कि पूरे नंबर कट। स्कूल की कॉपियों से लेकर जीवन के फैसलों तक, हमारी तारीफ इस बात पर नहीं होती कि हमने नया क्या सोचा, बल्कि इस बात पर होती है कि हमने पहले से बनाए गए नियमों का कितनी खामोशी से पालन किया। यही भेड़चाल आगे चलकर हमारे करियर के फैसलों में दिखती है। बिना यह सोचे-समझे कि बच्चे का अपना टैलंट क्या है, उसकी दिलचस्पी क्या है, लाखों बच्चों को कोटा, इंजीनियरिंग या पीएससी की एक ही अंधी भट्टी में झोंक दिया जाता है। किसी एक कोचिंग का रिज़ल्ट आया नहीं कि पूरा समाज अपने बच्चों को उसी रास्ते पर दौड़ा देता है। हम पीटर कीटिंग पैदा करने वाली फैक्ट्रियां चला रहे हैं, जहां युवा अपनी इच्छा से नहीं, बल्कि समाज में रुतबा दिखाने के लिए करियर चुनते हैं। हमें यह सिखाया जाता है कि समाज की नजरों में क्या कमी है, उसे सुधारो न कि इस बात पर जोर दिया जाता है कि हमारे अंदर की ताकत क्या है। यह जो कंडीशनिंग है, वह इंसान को अपनी शर्तों पर जीने के बजाय दूसरों की उम्मीदों का गुलाम बना देती है। इस तरह हम फॉलोअर्स की जमात तो तैयार कर लेंगे लेकिन लीडर कहां से लाएंगे, यह कोई नहीं सोच रहा है। सोशल मीडिया के इस दौर में हर कोई एल्गोरिदम के इशारों पर नाच रहा है और एक जैसी भेड़चाल का हिस्सा बनता जा रहा है। अगर इंस्टाग्राम पर कोई एक रील या ऑडियो क्लिप ट्रेंड कर गई, तो देश के लाखों लोग, चाहे वो स्टूडेंट हों, डॉक्टर हों या कोई और, अपनी गरिमा भूलकर उसी गाने पर एक जैसे स्टेप्स दोहराने लगते हैं। यह क्रिएटिविटी नहीं, बल्कि डिजिटल गुलामी है। यहां तक कि हमारा घूमना-फिरना और सुकून भी अब फेयर आफ मिसिंग आउट और दूसरों को दिखाने की भेड़चाल से तय होता है। लोग किसी जगह को महसूस करने नहीं जाते, बल्कि सोशल मीडिया के बताए इंस्टा वारेथी या एस्थेटिक पॉइंट्स पर रील बनाने और फोटो खिंचाने जाते हैं। पहाड़ों पर लगने वाला मीलों लंबा ट्रैफिक जाम प्रकृति प्रेम का नहीं, बल्कि इसी नकलची संस्कृति का नतीजा है।अगर आप भीड़ से अलग कोई राय रखते हैं या स्थापित मान्यताओं पर सवाल उठाते हैं, तो डिजिटल दुनिया आपको तुरंत अलग-अलग कर देगी, कैंसल या बॉयकॉट कर देने का डर दिखाने लगती है।

हिन्दी पत्रकारिता की दशा और दिशा

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया।

4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता भी यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।''

लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृत्ति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।(लेखक 36 वर्षों से हिन्दी पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक-भारत की रक्षा क्रांति', 'प्रदुषण मुक्त सांसें' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बंदूक से विनाश नहीं, अब ईंट-गारे से लिखेंगे नई जिंदगी की कहानी

सुकमा में पुनर्वास की मिसाल: आत्मसमर्पित युवाओं के हाथों में आया हुनर, सपनों को मिला नया आधार

सुकमा। कभी जिन हाथों में हथियार थे और जिनकी पहचान जंगलों की अनिश्चित जिंदगी से जुड़ी थी, आज वही हाथ विकास की इमारतें खड़ी करने की तैयारी कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में पुनर्वास की एक ऐसी सकारात्मक कहानी सामने आई है, जो बदलाव, विश्वास और आत्मनिर्भरता की नई तस्वीर पेश कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन और एसबीआई आरसेटी के संयुक्त प्रयास से पुनर्वास केंद्र में रह रहे 25 आत्मसमर्पित युवक-युवतियों को राजमिस्त्री का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें 13 महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। यह प्रशिक्षण केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि मुख्यधारा में सम्मानजनक वापसी का मजबूत रास्ता बन रहा है।

जहां कभी डर था, वहां अब सपनों की नींव रखी: दूरस्थ और विकास से अछूते इलाकों में लंबे समय से कुशल राजमिस्त्रियों की कमी महसूस की जा रही थी। अब प्रशिक्षित युवा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित विभिन्न निर्माण कार्यों में अपनी भूमिका निभाएंगे। इससे एक ओर उन्हें रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर जिले के विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी।

सोढ़ी हूंगी बोलीं— अब अपने पैरों पर खड़े होने का भरोसा : कोंटा क्षेत्र के अरलमपल्ली की रहने वाली सोढ़ी हूंगी के लिए यह प्रशिक्षण जिंदगी का नया अध्याय है। हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटी, कहती हैं कि सरकार ने उन्हें सम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का अवसर दिया है। राजमिस्त्री का हुनर सीखकर वे अब अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने और आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रही हैं।

पदम रैनू की जुबानी— जंगल से निकलकर मिली नई पहचान: जगरगुंडा के मंडीमरका निवासी पदम रैनू बताते हैं कि जंगलों में जीवन कठिनाइयों और अनिश्चितताओं से भरा था। आज पुनर्वास केंद्र में बेहतर सुविधाएं और कौशल प्रशिक्षण मिलने से भविष्य को लेकर नया विश्वास पैदा हुआ है। उनका कहना है कि सरकार की पुनर्वास नीति ने उन्हें भटकाव से निकालकर सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है।

280 से अधिक युवाओं को मिला नया जीवन-पथ

कलेक्टर अमित कुमार के अनुसार आत्मसमर्पण का अर्थ केवल हथियार छोड़ना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवन जीना है। जिले में अब तक लगभग 280 आत्मसमर्पित युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पुनर्वासित युवा को कौशल और रोजगार से जोड़कर स्थायी आजीविका उपलब्ध कराई जाए।

बदलते बस्तर की नई पहचान

सुकमा में चल रही यह पहल साबित कर रही है कि विकास, विश्वास और अवसर का रास्ता हिंसा से कहीं अधिक मजबूत होता है। जिन युवाओं ने कभी बंदूक थामी थी, आज वही अपने हाथों से घर बना रहे हैं और अपने भविष्य की मजबूत नींव भी रख रहे हैं। यह केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि बदलते बस्तर की नई पहचान है।

किरंदुल राघव मंदिर में गायत्री महामंत्र पाठ का आयोजन,श्रद्धालुओं की लग रहीं भीड़

किरन्दुल। किरंदुल नगर की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना के साथ किरंदुल में पहली बार दो दिवसीय 24 घंटे का संगीतमय गायत्री महामंत्र सामूहिक अखंड पाठ आयोजित किया गया है। राम जनकल्याण सेवा समिति व गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शुभारंभ हुआ एवम रविवार सुबह 10 बजे तक चलेगा। इस धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रहीं है। यह कार्यक्रम नगर के धार्मिक व आध्यात्मिक इतिहास में एक विशेष अवसर है।जिसमें अखंड पाठ गायत्री महामंत्र की पावन ध्वनि,भजन, कीर्तन और आध्यात्मिक साधना से गुंजायमान होगा।

कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का सफल आयोजन, 250 विद्यार्थियों ने लिया मार्गदर्शन

नारायणपुर। जिला नारायणपुर के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्ययनरत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन 27 मई से 03 जून तक ए.जी. सिनेमा हॉल, नारायणपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों एवं अवसरों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सही कैरियर दिशा प्रदान करना था। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों से लगभग 250 छात्र-छात्राओं का पंजीयन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिदिन आयोजित सत्रों में सहभागिता करते हुए विशेषज्ञ शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों से अपने भविष्य एवं कैरियर निर्माण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्किल डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैटजीपीटी के उपयोग, जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सहित विभिन्न ज्ञानवर्धक विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बदलते समय के साथ नई तकनीकों और रोजगार के अवसरों के बारे में भी जानकारी दी, जिससे वे अपने लक्ष्य निर्धारित कर सकें। कार्यक्रम की विशेषता ग्रुप डिस्कशन, मॉक इंटरव्यू एवं व्यक्तिगत काउंसलिंग सत्र रहे। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुरूप कैरियर विकल्पों को समझा। साथ ही उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्ति योजनाओं, प्रवेश परीक्षाओं एवं आवेदन प्रक्रिया संबंधी उपयोगी जानकारी भी प्राप्त की। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें विद्यालयी शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित करते हैं। इससे जिले में सेकेंडरी से हायर सेकेंडरी स्तर पर विद्यार्थियों की ट्रांजिशन दर में वृद्धि होने की संभावना है तथा युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए तैयार किया जा सकेगा। समापन समारोह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नारायणपुर आकांक्षा शिक्षा खालखो ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम में प्राप्त सुझावों एवं अनुभवों को अपने छात्र जीवन में अपनाकर वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा दिनबंधु रावटे, जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता महेन्द्र कुमार देहारी, एपीसी समग्र शिक्षा ईश्वर कश्यप, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यगण, पी.पी.आई.ए. फेलो एवं आकांक्षी विकासखंड फेलो सहित अनेक अधिकारी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगारोन्मुखी कौशलों के प्रति नई जागरूकता और उत्साह देखने को मिला, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएं और अधिक मजबूत हुई हैं।

जच्चा-बच्चा की मौत पर भानुप्रतापपुर में उबाल: सर्व आदिवासी समाज ने घेरा प्रशासन, 7 दिन में कार्रवाई न होने पर उग्र चक्काजाम की चेतावनी

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर के निजी गौतम हॉस्पिटल में डॉक्टरों की कथित घोर लापरवाही के कारण एक आदिवासी प्रसूता द्रौपदी कोमरा और उसके नवजात शिशु की दर्दनाक मौत का मामला अब गरमाता जा रहा है। घटना के 15 दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं किए जाने से नाराज सर्व आदिवासी समाज ने मोर्चा खोल दिया है। समाज ने जिला कलेक्टर के नाम भानुप्रतापपुर तहसीलदार को एक तीखा और चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपकर दोषी अस्पताल प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज करने, अस्पताल को सील करने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। इसके साथ ही प्रशासन को अल्टीमेटम दिया गया है कि यदि 7 दिनों के भीतर मांगें पूरी नहीं हुईं, तो क्षेत्र में उग्र आंदोलन और चक्काजाम किया जाएगा।

10वीं-12वीं पास अप्रशिक्षित स्टाफ के भरोसे चल रहा है अस्पताल

सौंपे गए ज्ञापन में सर्व आदिवासी समाज ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मृतिका द्रौपदी कोमरा की सोनोग्राफी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से पानी की कमी दिखाई दे रही थी। परिजनों ने बार-बार सिजेरियन (ऑपरेशन) डिलीवरी की गुहार लगाई, लेकिन डॉक्टरों ने इसे नजरअंदाज कर नॉर्मल डिलीवरी कराने की कोशिश की, जिससे मां और बच्चे दोनों की असमय मौत हो गई। समाज का आरोप है कि गौतम हॉस्पिटल नियमों की धज्जियां उड़ाकर केवल 10वीं और 12वीं पास अप्रशिक्षित नर्सों के भरोसे संचालित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल के स्त्री रोग विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सक, रेडियोलॉजिस्ट, और एनेस्थेटिस्ट जैसे विशेषज्ञों के पंजीयन, उपस्थिति पंजिका और वेतन अभिलेखों की बारीकी से जांच की जाए कि वे वास्तव में वहां सेवाएं दे रहे हैं या केवल कागजों में हैं। निजी अस्पतालों की मनमानी और लापरवाही ने दो मासूम जिंदगियां छीन लीं। यदि 7 दिनों के भीतर गौतम अस्पताल का लाइसेंस निरस्त कर उसे सील नहीं किया गया, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आदिवासी डॉक्टरों को बदनाम करने के 'फर्जी पत्र' की साजिश

ज्ञापन में एक और चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। सर्व आदिवासी समाज ने आरोप लगाया कि मुख्य दोषी 'गौतम अस्पताल' को बचाने के लिए कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा डाक के माध्यम से 'गुमनाम व फर्जी पत्र' भेजे जा रहे हैं। इस फर्जी पत्र के जरिए शासकीय अस्पताल के स्थानीय आदिवासी डॉक्टरों और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को बदनाम करने की घिनौनी साजिश रची जा रही है, जबकि उस पत्र से गौतम अस्पताल का नाम ही गायब है। समाज ने इस पूरे षड्यंत्र की निष्पक्ष जांच कर जालसाजों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सर्व आदिवासी समाज की प्रमुख मांगें

दोषियों पर एफआईआर व सीलिंग: गौतम हॉस्पिटल के दोषी डॉक्टरों व प्रबंधन के खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला दर्ज कर अस्पताल को सील किया जाए। उचित मुआवजा: पीड़ित आदिवासी परिवार को अस्पताल प्रबंधन से भारी व न्यायसंगत मुआवजा राशि दिलाई जाए। सरकारी अस्पताल का कायाकल्प: भानुप्रतापपुर के शासकीय अस्पताल में आगामी 7 दिनों के भीतर सोनोग्राफी मशीन, रेडियोलॉजिस्ट सहित, एक्स-रे, स्त्री रोग विशेषज्ञ और सिविल सर्जन सहित सभी जरूरी सुविधाएं व पर्याप्त डॉक्टरों की तैनाती की जाए। षड्यंत्र की जांच: आदिवासी डॉक्टरों को बदनाम करने की नीयत से फर्जी पत्र भेजने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई हो।

प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम, कानून-व्यवस्था बिगड़ी तो प्रशासन जिम्मेदार

आदिवासी समाज ने शासन-प्रशासन को दो टूक लहजे में चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला और भानुप्रतापपुर के सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त नहीं की गईं, तो समाज सड़कों पर उतरकर उग्र चक्का जाम और आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कांकेर और थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है।

जायसवाल निको के छोटे डोंगर लौह अयस्क खदान में मना विश्व पर्यावरण दिवस

छोटेडोंगर/ नारायणपुर। नारायणपुर जिले में स्थित जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड छोटे डोंगर लौह अयस्क खदान परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष के पर्यावरण दिवस को खास बनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खदान प्रबंधन, अधिकारियों और स्थानीय कर्मचारियों ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

250 पौधों का हुआ सामूहिक वृक्षारोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत खदान परिसर और उसके आस-पास के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाने के लिए व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी माताओं के सम्मान में कुल 250 फलदार, छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया। प्रबंधन ने रोपे गए सभी पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करने की जिम्मेदारी भी ली, ताकि वे बड़े होकर घने वृक्ष बन सकें।

चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक व रचनात्मक गतिविधियों को भी जोड़ा गया था। इस दौरान खदान क्षेत्र से जुड़े बच्चों और कर्मचारियों के लिए चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंगों के माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग, जल संरक्षण और एक पेड़ मां के नाम जैसे विषयों पर बेहद सुंदर और प्रेरणादायक पेंटिंग्स बनाई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पर्यावरण सामान्य ज्ञान पर आधारित इस क्विज़ में लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसके जरिए पर्यावरण के गंभीर मुद्दों और उनके समाधानों को लेकर जागरूकता फैलाई गई। विश्व पर्यावरण दिवस पर जायसवाल निको छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान में आयोजित समस्त कार्यक्रमों का आयोजन आशीष मिश्रा (उपाध्यक्ष खनन) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। और इस कार्यक्रम के दौरान छोटेडोंगर खदान के सभी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

भानुप्रतापपुर शराब भट्ठी में 'ओवररेटिंग' का विरोध करने पर युवक से बदसलूकी और मारपीट, जान से मारने की धमकी

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अंग्रेजी शराब दुकान में तय कीमत से अधिक दाम पर शराब बेचना का विरोध करने पर एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर भानुप्रतापपुर पुलिस ने शराब भट्ठी के कर्मचारियों और मैनेजर के खिलाफ धारा 296, 115 (2), 351(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम चिचगांव के हरेश चक्रधारी उम्र 41 वर्ष ने भानुप्रतापपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, दिनांक 04 जून को दोपहर करीब 03:00 बजे हरेश चक्रधारी को कुछ ग्रामीणों से सूचना मिली कि बसंतनगर स्थित अंग्रेजी शराब भट्ठी के कर्मचारियों द्वारा तय निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर शराब बेची जा रही है। इस शिकायत की सच्चाई जानने के लिए जब हरेश शराब दुकान पहुंचे, तो वहां ग्रामीणों की बात सही पाई गई। जब हरेश चक्रधारी ने अंग्रेजी शराब भट्ठी के कर्मचारी भगत सिंह कश्यप से अधिक मूल्य पर शराब बेचने का कारण पूछा, तो वह आवेश में आ गया। भगत सिंह ने तुरंत दुकान के अंदर से अपने साथी रोहित देवांगन को बाहर बुलाया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने हरेश के साथ अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने पीड़ित को मां-बहन की अश्लील गालियां दीं और तू कौन होता है पूछने वाला कहते हुए उसके साथ धक्का-मुक्की करने लगे। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान जब पीड़ित के अन्य ने इस पूरी बदसलूकी का अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया, तो शराब भट्ठी के अंदर मौजूद मैनेजर पुरुषोत्तम गुप्ता भी बाहर आ गया और उसने भी पीड़ित के साथ गंदी-गंदी गालियां दीं व धक्का-मुक्की की।

बीआईओएम किरन्दुल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

किरन्दुल। बीआईओएम किरन्दुल कॉम्पलेक्स परियोजना में दिनांक 05 जून शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस रहवासी कॉलोनी में स्थित चाचा नेहरु उद्यान में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख रवीन्द्र नारायण ने सभी उपस्थित जनो को पर्यावरण शपथ दिलवा कर की। तत्पश्चात् पौधारोपण मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक /परियोजना प्रमुख, नमिता नारायण, अध्यक्षा, प्रेरणा महिला समिति, के.पी सिंह मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) एवं एस.के. कोचर महाप्रबंधक (खनन)/खान प्रबंधक,एम. सुब्रमण्यम, महाप्रबंधक (प्लांट), सेल्वा कुमार, महाप्रबंधक (यांत्रिक सेवाएं), के.एल. नागवेणी, उप.महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एस. गुहा उप.महाप्रबंधक (वित्त) एल के प्रधान उप.महाप्रबंधक (सिविल), अवनीश शर्मा, उप. महाप्रबंधक (पर्यावरण), देवराजु अध्यक्ष (एस.के.एम.एस.), एके. सिंह सचिव, (एम.एम.डब्लू.यु) अन्य पदाधिकारीगण, प्रेरणा महिला समिति की सदस्यों एवं विभागाध्यक्षों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायणअधिशासी निदेशक /परियोजना प्रमुख, नमिता नारायण अध्यक्षा, प्रेरणा महिला समिति द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं नारा लेखन प्रतियोगिता में विजयी रहे प्रतिभागियों को प्रदान किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विशद वत्स, प्रबंधक (सिविल) पर्यावरण,सौरभ कुमार, कनिष्ठ प्रबंधक (सिविल) एवं विभागीय सदस्यों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन देवब्रत मंडल, वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा किया गया।

पशु चिकित्सालय में एबीसी सेंटर का शुभारंभ: डॉग कैचर वाहन को नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नारायणपुर। नगर पालिका नारायणपुर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 3 में स्थित पशु चिकित्सालय में एबीसी सेंटर का शुभारंभ किया गया साथ ही डॉग कैचर वाहन को नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगर पालिका क्षेत्र में आवारा घूम रहे कुत्तों की बढ़ती संख्या एवं कुत्तों द्वारा बच्चों, महिलाओं एवं आम नागरिकों को काटने, परेशान करने की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा कुत्तों को पकड़ कर उनका नसबंदी तथा वैक्सीनेशन किया जाएगा जिससे उनकी बढ़ती जनसंख्या तथा कुत्ते के काटने से हो रही नुकसान से भी बचा जा सकेगा। इस कार्यक्रम मे नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव तथा पार्षदगण रीता मंडल, संगीता जैन, कीर्ति पोटाई, संतोष गोटा, संजय नंदी, कमलापति मिश्रा, नेहा कश्यप,रमशिला नाग, प्रवीण गोलछा, कौशल बघेल, गोविंद भोयर , हेमंत पात्र, समाजसेवी बृजमोहन देवांगन, उत्तम चंद जैन, पशु विभाग के सहायक संचालक दीपेश रावटे, सहायक शल्यज्ञ पशु चिकित्सक डॉ रेश्मा ध्रुव, नगर पालिका उप अभियंता बसंत कुंजाम, राजस्व निरीक्षक भूषण देशमुख, शुभम भंडारी तथा पशु विभाग एवं नगर पालिका के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

रावघाट खदान में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन: प्रकृति से प्रेरणा, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए

रावघाट/नारायणपुर। रावघाट खदान परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह पूरा आयोजन प्रकृति से प्रेरणा, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए के मुख्य विषय (थीम) पर आधारित रहा, एक पेड़ मां के नाम की प्रेरणादायक वाक्य के साथ खदान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कर्मचारियों में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने के लिए खदान परिसर के प्रमुख स्थानों पर आकर्षक फ्लेक्स और बैनर लगाए गए थे। जो मुख्य थीम का संदेश दे रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर कोरबा में हुआ छत्तीसगढ़ की प्रथम ई.व्ही. जागरूकता रैली ड्राईव फार अर्थ का भव्य आयोजन

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ई.व्ही. जागरूकता रैली '' ड्राईव फार अर्थ '' का भव्य आयोजन कोरबा में किया गया, जो छत्तीसगढ़ राज्य की पहली ई.व्ही.जागरूकता रैली है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत तथा छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर की अगुवाई में निकली इस भव्य रैली को कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने हरी झण्डी दिखाई एवं रैली को रवाना किया। इस रैली के माध्यम से पर्यावरण का संरक्षण, ऊर्जा व ईंधन की बचत, अधिकाधिक वृक्षारोपण, पेड़-पौधों का संरक्षण व सोलर एनर्जी का उपयोग आदि का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया। विश्य पर्यावरण दिवस 05 जून 2026 को कोरबा में छत्तीसगढ़ राज्य की पहली ई.व्ही. जागरूकता रैली का भव्य आयोजन किया गया। स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण, हरित कोरबा व स्वच्छ कोरबा पर विशेष रूचि रखने वाले कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की पहल पर निकाली गई इस भव्य ई.व्ही.जागरूकता रैली को '' ड्राईव फार अर्थ '' का नाम दिया गया। यह रैली घंटाघर ओपन थियेटर से प्रारंभ हुई, कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया, वहीं आयोजन की मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयोजन की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर की अगुवाई में घंटाघर से प्रारंभ होकर यह रैली महाराणा प्रताप चैक से रिकांडो रोड होते हुये गुरूघासीदास चैक से टी.पी.नगर चैक होते हुये सी.एस.ई.बी.चैक से जैन चैक बुधवारी व व्ही.आई.पी.रोड से गुजर कर निगम के पं.जवाहरलाल नेहरू सभागार प्रांगण में पहुंचकर समाप्त हुई, इस रैली के माध्यम से पर्यावरण का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, अधिकाधिक वृक्षारोपण, सोलर एनर्जी का उपयोग आदि का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। रैली में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, हितानंद अग्रवाल, अशोक चावलानी सहित निगम के पार्षदगणों, अधिकारी कर्मचारियों, स्वयंसेवी संगठनों, संस्थानों आदि के साथ-साथ काफी संख्या में नागरिकों ने अपनी सहभागिता दी तथा हेलमेट धारणकर ई.स्कूटी, ई.बाईक व ई.कार में सवार होकर रैली में शामिल हुये। रैली समापन के पश्चात निगम के पं.जवाहरलाल नेहरू सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा व ईंधन की बचत, अधिकाधिक वृक्षारोपण व वृक्षों का संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये।

हर पौधा बनेगा एक स्मृति, हर वृक्ष रचेगा हरित विरासत की नई कहानी सीईओ राजेश कुमार सिंह

कोरबा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बालको टाउनशिप में 'स्मृति उद्यान' का शुभारंभ किया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार सिंह ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। इसके उपरांत 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अमलतास के पौधे रोपे। इस अवसर पर बालको के वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में उनके परिवारजन उपस्थित रहे। 'स्मृति उद्यान' केवल एक पौधारोपण पहल नहीं है, बल्कि एक ऐसा भावनात्मक मंच है, जहां प्रत्येक पौधा उन प्रियजनों को समर्पित किया गया जिन्होंने जीवन को प्रेम, मार्गदर्शन और प्रेरणा से समृद्ध किया। वृक्ष केवल प्रकृति का उपहार नहीं हैं, बल्कि जीवन, आशा और निरंतरता के प्रतीक भी हैं। आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में छाया, स्वच्छ वायु और पर्यावरण संरक्षण का माध्यम बनेगा। बालको के सीईओ एवं निदेशक श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा, स्मृति उद्यान हमारे प्रियजनों की यादों को प्रकृति के माध्यम से सहेजने का एक अनूठा प्रयास है। यहाँ लगाया गया प्रत्येक पौधा अपने साथ एक व्यक्तिगत कहानी, एक भावना और एक स्मृति लेकर बढ़ेगा। आज रोपे गए अमलतास के पौधे स्मरण और प्रकृति के बीच एक स्थायी संबंध का प्रतीक हैं। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित एवं सस्टेनेबल भविष्य के निर्माण की दिशा में हमारा दीर्घकालिक निवेश है। स्मृति उद्यान विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हुआ एक दीर्घकालिक अभियान है, जो आने वाले वर्षों तक लोगों की भावनाओं और प्रकृति को जोड़ता रहेगा। भविष्य में भी कर्मचारी, उनके परिवारजन एवं समुदाय के सदस्य अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगाँठ, किसी उपलब्धि का उत्सव अथवा किसी प्रियजन की स्मृति पर यहाँ आकर पौधारोपण कर सकेंगे। आने वाले वर्षों में यह उद्यान कई कहानियों, स्मृतियों और वृक्षों का जीवंत संग्रह बन जाएगा। स्मृति उद्यान में औषधीय गुणों से भरपूर अमलतास के पौधे लगाए गए हैं, जो आने वाले वर्षों में अपने आकर्षक सुनहरे पीले पुष्पों से टाउनशिप की सुंदरता को और बढ़ाएंगे। यह न केवल प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाता है, बल्कि मधुमक्खियों एवं तितलियों जैसे परागणकर्ताओं को आकर्षित कर जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वृक्ष पर्यावरणीय स्थिरता एवं जलवायु अनुकूलन के लिए भी उपयोगी माना जाता है।

प्रतियोगिताएं एवं वृहद वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में संगोष्ठी

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक के पुनर्चक्रण की जानकारी देने उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्लास्टिक उपयोग एवं उसके पर्यावरणीय प्रभावों पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी, विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी तथा वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय एवं सी-कास्ट रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। संगोष्ठी में सी-कास्ट रायपुर के वैज्ञानिक डॉ. अमित दुबे ने बायोप्लास्टिक की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बायोप्लास्टिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है, जिसके उपयोग से प्लास्टिक प्रदूषण को कम किया जा सकता है। सीनियर साइंटिस्ट डॉ. अखिलेश त्रिपाठी ने प्लास्टिक के पुनर्चक्रण की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कहा कि संसाधनों के संरक्षण और कचरा प्रबंधन के लिए पुनर्चक्रण अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा जनभागीदारी से इसके बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। सिपेट रायपुर के मैनेजर डॉ. रविंद्र रेड्डी ने री यूज़ ऑफ प्लास्टिक ए स्टेप टुवर्ड्स सस्टेनेबल डेवलपमेंट विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि प्लास्टिक का जिम्मेदार उपयोग एवं वैज्ञानिक प्रबंधन सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है ,तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी से हरित भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय की वेस्ट पर समान के प्रोडक्शन की

तैयारी की जा रही है । संकुलपति डॉ. जयति चटर्जी ने विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने तथा वृक्षारोपण एवं पुनर्चक्रण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ साइंस, सी-कास्ट रायपुर एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के कार्यक्रम के समन्वयक डॉक्टर रत्नेश तिवारी कार्यक्रम में इंजीनियरिंग के प्राचार्य एमके तिवारी, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ. श्वेता साव, डॉ अमित शर्मा, डॉ एस के तिवारी डॉ. राजीव पीटर, डॉ. राकेश यादव सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस पर डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में वृहद पौधारोपण अभियान- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में वृहद पौधारोपण अभियान का चलाया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं अमृत परिसर के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में विश्वविद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार घोष, कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी, संकुलपति डॉ. जयति चटर्जी ,सहित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में पौधारोपण किया। अभियान के दौरान औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। वृक्षारोपण अभियान का आयोजन विश्वविद्यालय के एनसीसी ,एवं एनएसएस विभाग पुस्तकालय विज्ञान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जयशंकर यादव, डॉक्टर संगीता सिंह, लेफ्टिनेंट संदीप सिंह सहित एनसीसी एवं एनएसएस के कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस पर विज्ञान विभाग में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग केमिस्ट्री द्वारा पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, रंगोली, वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम (इश्वक्र) के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं निर्णायक के रूप में डॉ. रोहित कुमार बरगाह, विभाग अध्यक्ष रसायन विभाग श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज सरगुजा उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता, वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों तथा प्रकृति के संरक्षण में युवाओं की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व भी है। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रभावी प्रदर्शन किया।डॉ. रश्मि वर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने एवं प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। डीन डॉ. ए. के. श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण हेतु वैज्ञानिक सोच एवं सतत विकास की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. अमित शर्मा एवं डॉ. श्वेता साव ने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन साईचरण एवं डॉ. अभिषेक शर्मा द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. राकेश कुमार यादव ने किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी किशोर सिंह ठाकुर ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी निभाने पर बल दिया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ. राकेश कुमार यादव, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. श्वेता साव एवं विज्ञान संकाय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर श्रद्धा महिला मंडल द्वारा वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्साह, उमंग एवं संकल्प के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वसंत क्लब परिसर में श्रद्धा महिला मंडल की माननीय अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन द्वारा गत 4 जून को पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की उपाध्यक्षगण एवं अन्य सदस्याओं ने भी पौधे लगाकर प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों एवं कर्मचारियों को फलदार पौधे तथा पर्यावरण अनुकूल जूट के थैले वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। अपने संबोधन में श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन ने सभी से अधिकाधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का

आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने श्रद्धा महिला मंडल की सभी क्षेत्रों में संचालित समितियों को आगामी मानसून सत्र के दौरान कम से कम 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य भी दिया तथा इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक रूप देने पर बल दिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली एवं स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल की पदाधिकारीगण, सदस्याएं एवं एसईसीएल के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कोचिंग डिपो बिलासपुर की अनूठी पहल: विकसित किया गया 'अमृत' लिक्विड ट्री

बिलासपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोचिंग डिपो बिलासपुर द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु विकसित 'अमृत' नामक अभिनव लिक्विड ट्री मॉडल का प्रदर्शन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के समक्ष किया गया। माइक्रोएल्गी आधारित यह प्रणाली प्रकाश संश्लेषण की प्राकृतिक प्रक्रिया के माध्यम से प्रदूषित वायु में उपस्थित कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन उत्सर्जित करती है, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होता है। इस मॉडल में माइक्रोएल्गी युक्त जल, एयर सेंसर, इंड्यूस्ड फैन एवं स्पार्जर का उपयोग किया गया है। मंडल यांत्रिक इंजीनियर(कोचिंग) श्री पीयूष प्रताप सिंह ने बताया कि यह प्रणाली सीमित स्थान वाले शहरी क्षेत्रों, रेलवे स्टेशनों, बस टर्मिनलों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु एक प्रभावी एवं टिकाऊ विकल्प सिद्ध हो सकती है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि भविष्य में इस मॉडल को सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली के रूप में विकसित करने की योजना है। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने इस नवाचार की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण एवं हरित रेलवे की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अभिनव मॉडल के परिकल्पना, विकास एवं सफल क्रियान्वयन में वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी श्री बलराम साहू, मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कोचिंग) श्री पीयूष प्रताप सिंह, यार्ड प्रभारी श्री सोमनाथ साव तथा उनकी टीम का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। उनके सामूहिक प्रयासों से विकसित यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में कोचिंग डिपो बिलासपुर की नवाचार क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गरिमा मेडिकल की अनोखी पहल

कोरबा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निहारिका स्थित गरिमा मेडिकल द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर सराहनीय पहल की गई। इस अवसर पर लगभग 200 पौधों का नि:शुल्क वितरण कर लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया गया। गरिमा मेडिकल के संचालक जयंत अग्रवाल ने बताया कि यह एक छोटा सा प्रयास है, जिसका उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने घर या आसपास एक-एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे।

समपार पर सावधानी ही सुरक्षा की गारंटी: बिलासपुर मंडल ने शुरू किया विशेष जन-जागरूकता अभियान

■ संरक्षा विभाग के नेतृत्व में चलाया जा रहा अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह

बिलासपुर। रेलवे समपारों पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने तथा सड़क उपयोगकर्ताओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विशेष जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान 06 जून से 12 जून 2026 तक मंडल के विभिन्न समपार फाटकों, रेलवे स्टेशनों तथा संवेदनशील रेलखंडों में संचालित किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिवस पर मंडल के अनेक समपार फाटकों पर संरक्षा कर्मियों, रेलवे अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा वाहन चालकों, मोटरसाइकिल सवारों, स्कूली विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें समपार सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पंपलेट वितरण, सुरक्षा परामर्श एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि कुछ क्षणों की जल्दबाजी जीवन भर का नुकसान बन सकती है। बिलासपुर मंडल में प्रतिदिन हजारों लोग रेलवे समपारों का उपयोग करते हैं। ऐसे में समपार फाटक बंद होने पर प्रतीक्षा करना, चेतावनी संकेतों का पालन करना तथा फाटक के नीचे या किनारे से निकलने का प्रयास न करना अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान नागरिकों को यह भी बताया जा रहा है कि अधिकांश समपार दुर्घटनाएँ मानवीय लापरवाही के कारण होती हैं, जिन्हें

जागरूकता और अनुशासन के माध्यम से पूरी तरह रोका जा सकता है। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान में विभिन्न समपार फाटकों पर संरक्षा संगोष्ठियाँ, जन-जागरूकता रैलियाँ, नुक्कड़ नाटक, सुरक्षा शपथ कार्यक्रम तथा स्थानीय समुदायों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभियान में रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट एवं गाइड, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों तथा स्थानीय प्रशासन का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। मंडल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे रेलवे समपारों पर प्रदर्शित सुरक्षा संकेतों का पालन करें, बंद फाटक पार करने का प्रयास न करें तथा स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा के प्रति भी जिम्मेदार व्यवहार अपनाएँ। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल का विश्वास है कि जनसहभागिता और जागरूकता के माध्यम से समपार दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है तथा सुरक्षित रेल संचालन के साथ सुरक्षित सड़क यातायात की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जा सकता है।

दौड़ते हुए घोड़े की मूर्ति का महत्व

वास्तु शास्त्र में दौड़ते हुए सिंगल घोड़े की मूर्ति को काफी महत्व दिया जाता है। इसे तरक्की, कॉन्फिडेंस और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी वजह से कई लोग इसे घर या फिर अपने ऑफिस डेस्क पर रखना पसंद करते हैं। आइए जान लेते हैं इसे रखने की सही दिशा से लेकर इससे मिलने वाले फायदे के बारे में।

मूर्ति रखने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार दौड़ते हुए एक घोड़े की मूर्ति को हमेशा दक्षिण दिशा में रखना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे मान-सम्मान और सक्सेज दोनों मिलेगी।

इस कमरे में रखना होगा शुभ

वास्तु के अनुसार सिंगल रनिंग घोड़े की मूर्ति को लिविंग रूम में रखना सबसे शुभ होगा। इसे बच्चों की स्टडी रूम में भी रखा जा सकता है। साथ ही ऑफिस डेस्क पर भी इसे रखने से लाभ मिलेगा।

मूर्ति करता है मोटिवेट

अगर आप घर में दौड़ते हुए सिंगल घोड़े की मूर्ति को रखेंगे तो ये हमेशा आपको अपने लक्ष्य की ओर पुश करेगा। इसे देखने से मन में बार-बार ख्याल आएगा कि आपको मेहनत करनी है।

वास्तु में इसे सफलता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

बढ़ता है कॉन्फिडेंस

वास्तु शास्त्र की दुनिया में घोड़े को शक्ति, साहस और हिम्मत के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऐसे में सिंगल घोड़े की मूर्ति आसपास रहने से कॉन्फिडेंस बढ़ता है और सोच भी सकारात्मक होती है।

करियर में मिलती है ग्रोथ

वास्तु मान्यता है कि इस मूर्ति को घर और ऑफिस में रखने से आप किसी काम में सफलता जरूर हासिल करेंगे। इसकी मौजूदगी से जिंदगी में तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं।

सुधरता है घर में का माहौल

वास्तु के अनुसार दौड़ते हुए घोड़े की मूर्ति घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखने में मदद करती है। इससे घर में अच्छी वाइब आती है।

इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में दौड़ते हुए सिंगल (एक) घोड़े की मूर्ति को सफलता और व्यक्तिगत ताकत का प्रतीक माना जाता है यह मुख्य रूप से आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और अटूट फोकस बढ़ाने में मदद करती है। इसे ऐसी जगह ही रखें जहां से ये आसानी से दिखाई दे। सामाजिक सम्मान और यश की प्राप्ति के लिए इसे पूर्व दिशा की ओर मुख करके रखा जाना चाहिए।

जीवन की नई शुरुआत करने के लिए अपनाएं ये तरीका

अक्सर हम जीवन के एक ऐसे मोड़ पर पहुंच जाते हैं जहां हमें लगता है कि सब कुछ ठहर गया है। चाहे वह करियर का दबाव हो, रिश्तों की उलझन या फिर मानसिक थकान हमें महसूस होने लगता है कि अब बहुत देर हो चुकी है। लेकिन असलियत यह है कि 'बदलाव' की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। आप 25 के हों या 50 के, एक बेहतर जीवन की शुरुआत कभी भी की जा सकती है। अगर आप भी अपनी जिंदगी को एक नया 'स्टार्ट बटन' देना चाहते हैं, तो लाइफ को 'हार्ड रीसेट' करने के ये तरीके आपके काम आ सकते हैं। किसी भी उम्र में जीवन की नई शुरुआत करने के लिए अपनाएं ये तरीका-

डिजिटल डिटॉक्स है जरूरी

आज के दौर में हमारा आधा तनाव सोशल मीडिया की तुलना से आता है। कुछ दिनों के लिए डिजिटल दुनिया से दूरी बनाएं। यह आपके दिमाग को शांत करने और अपनी वास्तविक जरूरतों को समझने में मदद करेगा।

'ना' कहना सीखें

हम अक्सर दूसरों को खुश करने के चक्कर में खुद को थका देते हैं। अपनी प्राथमिकताओं को पहचानें। उन कामों या लोगों को 'ना' कहें जो आपकी मानसिक शांति को भंग करते हैं।

अपनी सुबह का रूटीन बदलें

एक नई शुरुआत के लिए सुबह का समय सबसे महत्वपूर्ण है। जल्दी उठना, मेडिटेशन या हल्की एक्सरसाइज आपके पूरे दिन की ऊर्जा को बदल सकती है। एक अनुशासित सुबह एक अनुशासित जीवन की नींव है।

एक नया हुनर सीखें

सीखने की कोई उम्र नहीं होती। चाहे वह कोई नई भाषा हो, पेंटिंग हो या कोडिंग कुछ नया सीखने से दिमाग में नए न्यूरॉन्स बनते हैं और आत्मविश्वास में जबरदस्त बढ़ोतरी होती है।

अपने सर्कल को फिल्टर करें

आप किन लोगों के साथ बैठते हैं, इसका आपके व्यक्तित्व पर गहरा असर पड़ता है। अगर आपके आस-पास नकारात्मक लोग हैं, तो उनसे दूरी बनाएं और ऐसे लोगों से जुड़ें जो आपको प्रेरित करते हों।

वित्तीय प्रबंधन

लाइफ रीसेट करने के लिए आर्थिक स्थिरता बहुत जरूरी है। अपने खर्चों का हिसाब रखें, फिजूलखर्ची रोकें और छोटी-छोटी बचत शुरू करें। जब हाथ में पैसा होता है, तो बड़े फैसले लेना आसान हो जाता है।

हेल्थ को दें प्राथमिकता

एक बीमार शरीर के साथ नई शुरुआत करना मुश्किल है। अपनी डाइट में सुधार करें, पर्याप्त नींद लें और शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। जब आप अंदर से अच्छा महसूस करेंगे, तभी बाहर की दुनिया को बदलने की ताकत आएगी।

छोटे लक्ष्यों से शुरुआत करें

एक ही दिन में सब कुछ बदलने की कोशिश न करें। छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें और उन्हें पूरा करने पर खुद को शाबाशी दें। ये छोटी जीत ही आगे चलकर बड़े बदलाव का रास्ता साफ करेंगी।

बिना सिलाई कपड़ों में हुक लगाने का सबसे आसान तरीका

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास भी एक्स्ट्रा टाइम नहीं होता। ऐसे में छोटी-छोटी चीजों के लिए दर्जी के पास जाना बहुत मुश्किल लगता है। खासकर कहीं जाना है और अचानक आपका मनपसंद कुर्ता या शर्ट का हुक टूट जाए और आपको उसे तुरंत पहनना हो, तो क्या करेंगे? ऐसे में सुई-धागा ढूंढना और फिर उसे टांकना यही ख्याल आता है ना, लेकिन क्या हो अगर हम आपसे कहें कि आप बिना सिलाई के भी झटपट हुक लगा सकते हैं, जी हां आपने बिल्कुल सही सुना। कई बार ब्लाउज, सूट या कुर्ती में हुक निकल जाए और पास में टेलर न हो, तो परेशानी बढ़ जाती है। तो चलिए बिना किसी देरी जानते हैं कैसे।

आजकल बाजार में ऐसी कई चीजें उपलब्ध हैं जो सिलाई-कढ़ाई का काम आसान बना देती है। बिना सिलाई हुक लगाने के लिए भी दो सबसे लोकप्रिय और आसान तरीके हैं।

'नॉन-स्यू' हुक और आई- यह एक खास तरह के हुक और आई का सेट होता है जिसके पीछे छोटे-छोटे नुकीले दांत या पिंस लगे होते हैं। इसे लगाने के लिए आपको बस इसे कपड़े पर सही जगह पर रखना होता है और पीछे से एक पतले कपड़े या रुमाल रखकर प्रेस (iron) करना होता है। प्रेस की गर्मी से वो पिंस कपड़े में धंस जाती है और एक टाइट ग्रिप बना लेती है। यह बहुत मजबूत और पक्का तरीका है।

फैब्रिक ग्लू - अगर आप प्रेस का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहते, तो फैब्रिक ग्लू आपके लिए बेस्ट है। यह खास तौर पर कपड़ों को चिपकाने के लिए ही बना होता है। आपको बस हुक और कपड़े के उस हिस्से पर थोड़ा सा फैब्रिक ग्लू लगाना है जहां हुक टांकना है। फिर हुक को उस पर रखकर हल्के हाथ से दबाएं और सूखने दें। कुछ ही मिनटों में हुक पूरी तरह से चिपक जाएगा। बिना सिलाई हुक लगाने के लिए ज्यादा सामान की जरूरत नहीं होती। आमतौर पर ये चीजें काफी होती हैं:

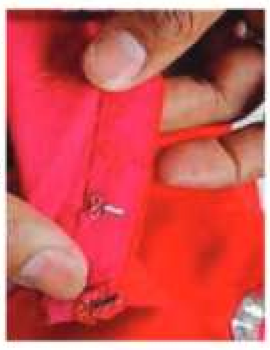

मजबूत डबल-साइड टेप या फैब्रिक-फ्रेंडली चिपकाने वाला टेप

सही साइज का हुक और आई कैंची, साफ कपड़ा (कपड़े को सुखाने और साफ करने के लिए)। ध्यान रखें, सतह साफ और सूखी होनी चाहिए, तभी हुक अच्छे से चिपकेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि - मान-सम्मान और बड़ी सफलताओं से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दसवें भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद ग्यारहवें भाव में जाएंगे। आपके करियर में वरिष्ठ अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अटके हुए प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे होंगे। आपके बिजनेस में अचानक धन लाभ के मजबूत योग बन रहे हैं और नए सौदे आपके पक्ष में आएंगे।

वृषभ राशि - आपके लिए भाग्य का साथ और नई उम्मीदें लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के नौवें भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद दसवें भाव में जाएंगे। आपके करियर में चल रही बाधाएं पूरी तरह दूर होंगी और नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं। आपके बिजनेस में लंबी दूरी की यात्राएं बेहद फलदायी साबित होंगी और आर्थिक लाभ के नए मार्ग खुलेंगे।

मिथुन राशि - सावधानी से आगे बढ़ने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के आठवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में काम की अधिकता के कारण आपको थोड़ा मानसिक तनाव महसूस होगा, इसलिए सहकर्मियों से बहस करने से बचें। आपके बिजनेस में पैसों के लेन-देन में कल अत्यधिक सतर्कता बरतें और किसी भी नए निवेश को कुछ समय के लिए टाल दें। आपकी लव लाइफ में साथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है, धैर्य रखें। आपकी हेल्थ थोड़ी कमजोर रह सकती है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.

कर्क राशि - खुशियां और दांपत्य जीवन में मधुरता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद आठवें भाव में जाएंगे। आपके करियर में टीम वर्क से काम करने पर बड़ी सफलता मिलेगी और दफ्तर में आपकी साख बढ़ेगी। आपके बिजनेस में पार्टनरशिप के कामों से कल उम्मीद से ज्यादा मुनाफा हाथ लगेगा, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आपकी लव लाइफ के लिए दिन बेहद रोमांटिक रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि - सूझबूझ और विरोधियों पर विजय पाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद सातवें भाव में जाएंगे। आपके करियर में छिपे हुए शत्रु कल परास्त होंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना की जाएगी। आपके बिजनेस में चल रही मंदी कल दूर होगी और आपको नए आर्डर मिलने से अच्छी आमदनी होने के योग है।

कन्या राशि - रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता में वृद्धि का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पांचवें भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद छठे भाव में जाएंगे। आपके करियर में आपकी नई रणनीतियां और विचार कामयाब होंगे, जिससे सहकर्मी आपसे प्रभावित नजर आएंगे। आपके बिजनेस में अचानक कहीं से बड़ा धन लाभ हो सकता है।

तुला राशि-पकी राशि के चौथे भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद पांचवें भाव में जाएंगे। आपके करियर में वर्कलोड बढ़ने से घर और दफ्तर के बीच संतुलन बनाने में थोड़ी परेशानी महसूस हो सकती है। आपके बिजनेस में भूमि, भवन या वाहन से जुड़ा कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य में लाभदायक रहेगा। आपकी लव लाइफ में परिवार के सहयोग से रिश्ते में मजबूती आएगी और पार्टनर का साथ मिलेगा।

वृश्चिक राशि -पराक्रम और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद चौथे भाव में जाएंगे। आपके करियर में आपके सहकर्मियों के सहयोग से कोई जटिल प्रोजेक्ट समय पर आसानी से पूरा हो जाएगा। आपके बिजनेस के सिलसिले में की गई छोटी यात्राएं बेहद फलदायी साबित होंगी और बाजार में आपकी नई पहचान बनेगी।

धनु राशि- आपके लिए आर्थिक समृद्धि और खुशियां लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद तीसरे भाव में जाएंगे। आपके करियर में आपकी मधुर वाणी और व्यवहार कुशलता से दफ्तर में आपका प्रभाव बढ़ेगा, पदोन्नति की बात आगे चल सकती है। आपके बिजनेस में फंसा हुआ धन वापस मिलने से आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा और नया निवेश करना आसान होगा।

मकर राशि - आत्मविश्लेषण और नई ऊर्जा के संचार का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पहले भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद दूसरे भाव में जाएंगे। आपके करियर में आपकी निर्णय लेने की क्षमता में अद्भुत सुधार होगा, जिससे उच्च अधिकारी आपके काम से बेहद खुश रहेंगे। आपके बिजनेस में आपकी योजनाएं सटीक बैठेंगी, जिससे आपको बड़ा मुनाफा होगा और बाजार में आपकी साख बढ़ेगी।

कुंभ राशि- आपके लिए खर्चों में वृद्धि और थोड़ी भागदौड़ का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के बारहवें भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद पहले भाव में जाएंगे। आपके करियर में विदेशी स्रोतों से लाभ के योग तो हैं, लेकिन दफ्तर की राजनीति से आपको खुद को दूर रखना होगा। आपके बिजनेस में निवेश करते समय बजट का खास ख्याल रखें।

मीन राशि- आपके लिए शानदार सफलताओं और लाभ कमाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में दोपहर तक रहेंगे, इसके बाद बारहवें भाव में जाएंगे। आपके करियर में मनचाही प्रगति होगी और लंबे समय से रुका हुआ इंसेंटिव या बोनस कल आपको मिल सकता है। आपके बिजनेस में आय के नए स्रोत बनेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत और बेहतर हो जाएगी।

जानिए उम्र के हिसाब से पूरी डाइट चार्ट

बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती 6 महीने तक मां का दूध या फार्मूला मिल्क ही उसका पूरा पोषण होता है। लेकिन 6 महीने पूरे होने पर उसके आहार में बदलाव करना जरूरी हो जाता है, ताकि बढ़ती उम्र और जरूरतों के हिसाब से उसे पर्याप्त पोषक तत्व मिल सकें। इस समय से सॉलिड फूड की शुरुआत, उसकी क्वांटिटी और फ्रीक्वेंसी उम्र के अनुसार धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए। इसी को पूरक आहार कहा जाता है। यह बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी होता है। सही समय पर सही मात्रा में भोजन देने से बच्चे की ग्रोथ, इम्युनिटी और समग्र विकास बेहतर होता है। खाने की अच्छी आदतें भी बनती हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जब बच्चा 6 महीने का हो जाता है, तो उसके शरीर की जरूरतें बढ़ने लगती है। इस समय उसे दूध के साथ-साथ घर का बना हल्का और पौष्टिक खाना देना शुरू करना चाहिए। इसमें गाढ़ी दाल के साथ चावल, खिचड़ी, हरी सब्जियां, दही, घी और थोड़ी मात्रा में तेल शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा पीले और नारंगी रंग के फल और सब्जियां जैसे केला, पपीता, गाजर और कद्दू भी बहुत फायदेमंद होते हैं। ये सभी चीजें बच्चे को जरूरी विटामिन और ऊर्जा देती है। शुरुआत में बच्चे को बहुत कम मात्रा में खाना देना चाहिए। लगभग 3 से 4 चम्मच से शुरुआत करें और देखें कि बच्चा कैसे प्रतिक्रिया देता है। अगर बच्चा अच्छे से खा रहा है और पचा पा रहा है, तो धीरे-धीरे मात्रा बढ़ाई जा सकती है।

आमतौर पर 6 से 7 महीने के बच्चे को दिन में दो बार एक छोटी कटोरी खाना दिया जा सकता है। जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, उसकी भूख और जरूरतें भी बढ़ती हैं। 7 से 8 महीने के बच्चे को दिन में दो कटोरी भोजन दिया जा सकता है। 9 से 11 महीने के बच्चे के लिए यह मात्रा बढ़ाकर तीन कटोरी तक की जा सकती है। वहीं 12 से 24 महीने के बच्चे को दिन में चार से पांच कटोरी तक हल्का और पौष्टिक खाना दिया जा सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि माता-पिता बच्चे की भूख के संकेतों को समझें। हर बच्चे की भूख अलग होती है, इसलिए उसे जबरदस्ती खिलाने की बजाय उसके संकेतों को समझकर खाना देना चाहिए। बच्चे को खेल-खेल में और प्यार से खाना खिलाना चाहिए, ताकि वह खाने में रुचि ले। छोटे बच्चों को पहले दूध पिलाना चाहिए और उसके बाद ठोस भोजन देना चाहिए। इससे बच्चे को दोनों तरह का पोषण मिल जाता है।

कम जगह में उगा सकते हैं ये पौष्टिक फल

केला

केला एक ऐसा फल है, जिसे आप सबसे ज्यादा खरीद कर खाना पसंद करते हैं। आप इसे अपने आंगन, घर के गार्डन एरिया या छत पर भी उगा सकते हैं। ये बहुत अधिक स्पेस नहीं लेता है। केले का पौधा बहुत तेजी से बढ़ने वाला भी माना जाता है। इसे भरपूर धूप और नियमित पानी की जरूरत होती है। सही देखभाल मिलने पर यह लगभग एक साल के भीतर फल देने लग सकता है।

पपीता-

इसे पेट के लिए एक बेहतरीन फल माना गया है। यह छोटे बगीचों में लगाना एक बेस्ट ऑप्शन है। पपीता का पौधा काफी तेजी से बढ़ता है। आपको इसमें फल लगभग 8 से 12 महीनों में दिखने लग जाएगा। इसकी देखभाल भी अपेक्षाकृत आसान होती है।

अमरूद

काफी लोग अपने गार्डन या घर के बैक साइड जमीन में अमरूद का पेड़ लगाते हैं। ये कम जगह में भी उग सकता है। हालांकि, अमरूद का पेड़ काफी बड़ा और मजबूत होता है। साथ ही ये विभिन्न परिस्थितियों में आसानी से बढ़ भी जाता है। अमरूद का पेड़ जल्दी बढ़ने के साथ ही फल भी ढेर सारे देता है। ये एक बार बढ़ जाता है, तो खूब फल देता है।

सेहत के लिए फायदेमंद अंजीर

अंजीर एक ऐसा फल है जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह ताजा और सूखे दोनों रूपों में खाया जाता है। अंजीर में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित और संतुलित मात्रा में अंजीर का सेवन करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

अंजीर एक ऐसा फल है जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह ताजा और सूखे दोनों रूपों में खाया जाता है। अंजीर में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित और संतुलित मात्रा में अंजीर का सेवन करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

अंजीर में फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि इसे पोषण से भरपूर फल माना जाता है ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग लंबे समय से अंजीर का उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए करते आ रहे हैं।

पाचन तंत्र में फायदेमंद: पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में अंजीर काफी मददगार माना जाता है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज की समस्या को कम करने में सहायक होता है। जो लोग पेट संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं, उनके लिए अंजीर का सेवन लाभकारी हो सकता है। सुबह खाली पेट पानी में भिगोया हुआ अंजीर खाने से पाचन बेहतर रखने में मदद मिलती है।

हड्डियों करता है मजबूर: वैद्य ने बताया कि अंजीर हड्डियों की मजबूती के लिए भी अच्छा माना जाता है। इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं।

बढ़ती उम्र में हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से बचाव के लिए भी अंजीर को उपयोगी माना जाता है। दिल के लिए है फायदेमंद: दिल की सेहत के लिए भी अंजीर लाभदायक माना जाता है। इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

फूल दोगे तो फूल ही मिलेगा, पत्थर दोगे तो पत्थर..

खानापुर-आटपाडी के विधायक सुहास बाबर एक पीपल के पेड़ की तरह जोश से भरे हुए हैं। उस जोश को बढ़ाने, संवारने और उसे सींचने की जिम्मेदारी हम सबकी है," ऐसे भावपूर्ण शब्दों में वरिष्ठ अभिनेता जैकी श्रॉफ ने शिवसेना के विधायक सुहास बाबर के कार्यों की सराहना करते हुए ट्री आर्मी की वृक्षारोपण मुहिम को मजबूती से समर्थन दिया। गार्डी-घानवड के मैदान में ट्री आर्मी और जेके फाउंडेशन के माध्यम से साढ़े चार हजार पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर जैकी श्रॉफ के हाथों इस जनआंदोलन का औपचारिक शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में बोलते हुए जैकी श्रॉफ ने विधायक बाबर की सादगी, कार्य के प्रति समर्पण और पर्यावरण के प्रति उनके प्रेम की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा, "सिर्फ बोलने वाले और वास्तव में काम करने वाले लोगों में फर्क होता है। सुहास बाबर जितना बोलते हैं, उतनी ही ईमानदारी से काम भी करते है।" ऐसा कहते हुए उन्होंने वृक्षारोपण के माध्यम से समाज को दिशा देने वाले इस अभियान की सराहना की और यह संदेश दिया कि पृथ्वी हमारी मां है, उसकी रक्षा के लिए हर व्यक्ति को पेड़ लगाने चाहिए।विधायक सुहास बाबर ने कहा कि ट्री आर्मी किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे समाज की मुहिम है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में मिले मतों की संख्या के बराबर पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया है और अगले दो वर्षों में 78 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जैकी श्रॉफ के जुड़ने से इस अभियान को राष्ट्रीय पहचान मिलेगी और विटा से शुरू हुई ट्री आर्मी अब देश और दुनिया तक पहुंचेगी, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।इस कार्यक्रम में मुंबई से जैकी श्रॉफ के मित्र तथा ड्रीम वर्थ सोल्यूशन कंपनी के संचालक भी उपस्थित थे। साथ ही खानापुर पंचायत समिति की सभापति सुवर्णा भोसले, नगराध्यक्ष काजल म्हेत्रे, उपनगराध्यक्ष अमोल बाबर, प्रांताधिकारी डॉ. विक्रम बांदल, तहसीलदार योगेश्वर टोम्पे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी विपुल पाटील, गट विकास अधिकारी डॉ.

संताजी पाटील, पुलिस निरीक्षक धनंजय फडतरे, उपसभापति सुहास शिंदे, पूर्व नगरसेवक अमर शितोळे, नविन यात्रा समिति के अध्यक्ष रणजित पाटील, खरीद-विक्री संघ के चेयरमैन हेमंत बाबर, प्रकाश बागल, नगरसेवक रामचंद्र भिंगारदेवे, भालचंद्र कांबळे, रोहित पाटील, एडवोकेट रोहित पवार, श्रीधर जाधव, सरपंच संग्राम नलवडे, सौरभ रोकडे, विशाल पाटील, दिलीप किर्दत, सुजय गोसावी सहित ट्री आर्मी के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस कार्यक्रम की स्वागत एवं प्रस्तावना फिरोज शेख ने की, संचालन धीरज भिंगारदेवे ने किया और आभार राहुल सालुंखे ने व्यक्त किया। विधायक बाबर ने कहा, "मुझे लगता था कि मैं बहुत जमीन से जुड़कर काम करता हूं, लेकिन जैकी दादा को देखकर मेरा यह भ्रम टूट गया। एक सेलिब्रिटी होकर भी कोई इतना विनम्र और सरल हो सकता है, यह देखकर मैं हैरान रह गया। "उनकी पत्नी सोनिया बाबर ने जैकी श्रॉफ का औक्षण कर पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने बाजरे की भाकरी, घी, गुड़ और नमक जैसा सादा नाश्ता किया। इतना सरल इंसान मैंने अपने जीवन में नहीं देखा, ऐसे शब्दों में विधायक बाबर ने उनकी प्रशंसा की।

पार्षदों ने साझा किए पर्यावरण संरक्षण के अनुभव, वार्डों में हरियाली अभियान चलाने की ली जिम्मेदारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर निगम की विशेष सामान्य सभा, हरित दुर्ग निर्माण का लिया संकल्प

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा जलवायु संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सामान्य सभा का आयोजन किया गया। माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में विचाराधीन प्रकरण परिप्रेक्ष्य में आयोजित इस विशेष सभा में स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवं नगरीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सभापति श्याम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्यगण नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, शिव नायक, लीला घर पाल, शशि साहू एवं पार्षदगण एवं निगम अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस की थीम के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के संकल्प के साथ हुई। सभा के दौरान विभिन्न वार्डों के पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनुभव साझा किए। साथ ही सभी पार्षदों ने अपने वार्डों में व्यापक स्तर पर हरियाली अभियान संचालित करने तथा नागरिकों की सहभागिता से अधिक से अधिक पौधारोपण कराने की जिम्मेदारी लेने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में नगर निगम क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, घर-घर स्वच्छता जागरूकता अभियान, प्लास्टिक मुक्त दुर्ग अभियान तथा वार्ड स्तर पर जनसहभागिता बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि स्वच्छ और हरित शहर का निर्माण केवल निगम प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देकर ही आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे हरियाली एवं स्वच्छता अभियान में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण देने के लिए आज से ही प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग होना होगा। अधिक से अधिक पौधारोपण और उनकी देखरेख ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ और हरित वातावरण के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण करने, जल संरक्षण अपनाने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लेना चाहिए।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम द्वारा स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को तकनीकी रूप से और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से घरों में गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने की अपील की। सभा में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता समितियों को सक्रिय कर नियमित निगरानी व्यवस्था विकसित की जाएगी। साथ ही बड़े कचरा उत्पादक संस्थानों को ऑन-साइट कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। नगर निगम द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि खुले में कचरा फेंकने, अवैध डंपिंग करने तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई एवं जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हेल्पलाइन 1100 एवं व्हाट्सएप चैटबॉट 8519009090 के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। बैठक में केंद्रों के विस्तार, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत करने तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में नागरिकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई।अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देकर दुर्ग को स्वच्छ, सुंदर, हरित एवं आदर्श नगर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सिंगल यूज प्लास्टिक, डेढ़ दर्जन दुकानदारों पर निगम की टीम ने की कार्रवाई

व्यापारियों को जुर्माना लगाया गया, साथ ही जागरूकता को लेकर दी समझाइश

राजनांदगांव। सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर नगर निगम लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसे लेकर अभियान चलाया जा रहा है, इसके तहत निगम का स्वास्थ्य अमला नंदई चौक और निगम कार्यालय के सामने अभियान चलाकर 16 ठेला खोमचा, दुकान एवं होटल पर कार्रवाई की गई। उन पर 1 हजार 8 सौ रूपये जुर्माना वसूल कर 2 किलो पालिथिन जब्त की गई। आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने सभी व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि अपने प्रतिष्ठानों की नियमित साफ -सफाई रखे एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का विक्रय व उपयोग न करे। पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना नितांत आवश्यक है। झिल्ली पन्नी पर्यावरण को नुकसान पहुचाने के साथ साथ मानव जीवन तथा पशु पक्षियो के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकुल प्रभाव डालता है। झिल्ली पन्नी नाली में फंस जाने से पानी निकासी में व्यावधान उत्पन्न होता है, जिससे गंदगी फैलती है। वर्तमान में नगर निगम द्वारा बारिश के पूर्व बड़े नालों की सफाई कराई जा रही है। जिसमें अधिकांशतः झिल्ली पन्नी ही निकल रही है। इसे रोकने तथा इसका उपयोग नहीं करने में सबका सहयोग आवश्यक है। क्योंकि नगर निगम साफ-सफाई तो करती है, बारिश में पानी भरान की स्थिति निर्मित न हो करके नालो की सफाई भी कराई जा रही है।

मनगटा में भी सौ एकड़ में प्लाटिंग, दुर्ग के कालोनाइजरों ने फैलाया साम्राज्य, प्रशासन के बुलडोजर पर ब्रेक

ग्राम झुराडबरी और बघेरा में बड़ी कार्रवाई के बाद सख्ती थमी

राजनांदगांव और आसपास के गांवों के लोगों ने किया निवेश, सभी लुटे गए

राजनांदगांव। शहर से लगे मनगटा एरिया में अवैध तरीके से प्लाटिंग की गई है। यहां भी 100 एकड़ से अधिक रकबे में अवैध तरीके से प्लाटों की बिक्री हुई है। सबसे बड़ी बात, यहां बड़े कालोनाइजर दुर्ग-भिलाई के हैं और इन्वेस्टमेंट के मामले में राजनांदगांव और आसपास के गांवों के लोग फंस गए हैं। नियमों में उलझाकर सबकुछ वैध बताकर कालोनाइजरों ने यहां प्लाटों को बेचा, अब खरीदने वाले परेशानी में पड़ेंगे। इधर मनगटा से लगे झुराडबरी क्षेत्र में 15 दिनों का समय हो गया कार्रवाई हुई, लेकिन अब तक सरकारी बुलडोजर मनगटा नहीं पहुंच पाया है। प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो संबंधित पटवारी और आरई से ब्यौरा निकलवाया जा रहा है, लेकिन पंद्रह दिन के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं करना समझ से परे है। खासकर जब पड़ोस की बस्ती में अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई हुई। लेकिन अब मनगटा की बारी आई तो देरी की जा रही है। सूत्रों की मानें तो कई प्लाट पहले ही बेच दिए गए हैं और कईयों की बिक्री अब भी जारी है। ऐसे में स्थानीय कर्मचारियों की इसमें मिलीभगत न हो इसे नकारा ही नहीं जा सकता।

6-6 हजार के प्लॉट बेचकर कराई रजिस्ट्री

अवैध कालोनाइजरों ने यहां पूरी तरह से नियमों को ताक में रखकर काम किया है। रोड, बिजली की पर्याप्त व्यवस्था के बिना ही उन्होंने निवेशकों को लुटने का काम किया है। करोड़ों रुपए की जमीनों को प्लाट काटकर बेच दिया गया। बताया गया कि मनगटा की जमीनों को 6-6 हजार स्वायर फीट का रकबा काटकर बेचा गया है। इसमें कई रिसोर्ट्स में तब्दील हो गए है और कुछ का निर्माण चल रहा है। इसलिए यहां सख्ती जरूरी है।

सरकारी जमीन को कालोनी के भीतर बाउंड्रीवाल कर दिया

इसी क्षेत्र में बड़ा मामला भी सामने आया, जिसमें राजस्व अमले ने कार्रवाई नहीं की। केवल नोटिस देकर ही मामले को लटकाए रखा। यहां 20 एकड़ पर अवैध तरीके से प्लाटिंग की गई, इसके बाद सरकारी जमीन भी इसकी जद में ले ली गई। लेकिन कार्रवाई से बचने के लिए सरकारी जमीन पर बाउंड्रीवाल कर दिया गया। लेकिन पूरे परिसर को घेर दिया गया है, जिसमें सरकारी जमीन भी शामिल है। इसके बाद भी वहां कार्रवाई नहीं होना, संदेह को जन्म दे रहा है।

पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण को नुकसान: तालाब पार के पौधे नष्ट कर, मिट्टी की चोरी; प्रतिबंधित अर्जुन वृक्षों की कटाई पर विभाग मौन

इस दौरान जेसीबी मशीन से तालाब किनारे लगाए गए ट्री गार्ड भी उखाड़ दिए

पाटन/अम्लेश्वर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जहां एक ओर पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के संदेश दिए जा रहे हैं, वहीं जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत कोपेडीह-कापसी एवं पाहंदा में पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंचाने वाले मामले सामने आए हैं। आरोप है कि मुरूम और मिट्टी परिवहन करने वाले ट्रांसपोर्टरों ने मनरेगा से गहरीकरण किए गए तालाब के तटबंध को नुकसान पहुंचाते हुए ट्री गार्ड उखाड़ दिए, जिससे सैकड़ों पौधे नष्ट हो गए। वहीं दूसरी ओर प्रतिबंधित अर्जुन वृक्षों की कटाई के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोपेडीह-कापसी के मारेगा (मनरेगा) अंतर्गत लाखों रुपये की लागत से तालाब का गहरीकरण कराया गया था, ताकि जल संरक्षण, भूजल स्तर में सुधार और पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। लेकिन आरोप है कि रोड निर्माण और परिवहन कार्य के नाम पर ट्रांसपोर्टरों ने तालाब के तटबंध की मिट्टी ही निकालकर अन्यत्र ले गए, जिससे वहां लगाए गए सैकड़ों पौधे नष्ट हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब के तटबंध को क्षति पहुंचने से जल संरक्षण की पूरी योजना प्रभावित हो गई है और सरकारी राशि से किए गए कार्यों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में आम बगीचे के पास स्थित प्रतिबंधित अर्जुन वृक्षों की कटाई का मामला भी चर्चा में है। स्थानीय लोगों के अनुसार लकड़ी ठेकेदारों द्वारा अर्जुन के पेड़ों को काटकर ट्रैक्टर में भरकर ले जाया गया।

मामले की जानकारी वन विभाग को होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं की गई तो पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावे खोखले साबित होंगे। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा तालाब एवं वृक्षारोपण स्थल को हुए नुकसान की भरपाई कराने की मांग की है।

बरसात से पहले निर्माण कार्य पूर्ण करें: आयुक्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-03 क्षेत्र का निरीक्षण कर चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज, प्रस्तावित वेंडर जोन, सर्विस रोड एवं अवैध कब्जों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को सभी निर्माणाधीन कार्य बरसात से पूर्व पूर्ण कराने तथा प्रस्तावित विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज में चल रहे सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि बारिश शुरू होने से पहले सड़क निर्माण का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए।

अंडरब्रिज के समीप स्थित कॉम्प्लेक्स के पीछे विकसित किए जा रहे प्रस्तावित वेंडर जोन का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वेंडर जोन बनने से स्थानीय फुटपाथ एवं ठेला व्यवसायियों को व्यवस्थित और सुरक्षित व्यापारिक स्थान उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिलेगी। इसके बाद आयुक्त ने चंद्रा मौर्या चौक से जोन 3 कार्यालय तक बन रही सर्विस रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों गुणवत्ता युक्त सड़क निर्माण पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध होगी और आवागमन सुगम बनेगा। निरीक्षण के दौरान मजार एवं हुंडई शोरूम के पीछे कुछ लोगों द्वारा गैराज का कबाड़ एवं अन्य सामान शासकीय भूमि पर रखे जाने की जानकारी मिलने पर आयुक्त ने संबंधित व्यक्तियों को स्वयं सामान हटाने के निर्देश दिए। साथ ही निगम भूमि पर झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रह रहे लोगों को भी स्थल खाली करने की चेतावनी दी गई। चर्चा में सामने आया कि कुछ लोगों द्वारा बहुत लंबे समय से भिलाई शहर में ही निवास किया जा रहा है, आयुक्त ने ऐसे परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्राप्त करने के लिए आवेदन करने की सलाह दी। आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा न आने दी जाए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, उप अभियंता दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे एवं रविन्द्र पाण्डेय उपस्थित रहे।

चाटुकार

रोज़मर्रा की तरह मैं काम में मशगूल था,
लोगों की दुनियादारी से कोसों मैं दूर था।

साक्षात् दण्डवत चरणों में गिर पड़े,
कहा- ÷एक बार माफ़ कर दो, मेरा बड़ा कसूर था।÷

ना मैंने सवाल पूछा, क्या गलती थी तुम्हारी,
जो माफ़ी माँगने आना पड़ा शरण में हमारी।

ज़हरीली मुस्कान लेकर, नज़रें झुकाकर बोले,
÷दगा कर रहा हूँ आपसे, आप इंसान हो बड़े भोले।÷

ना चरण छोड़ रहा था, दे रहा था रिश्तों का हवाला,
वाकिफ़ था उसकी रग से, फिर भी माफ़ी दे डाला।

अब हमसे नज़र मिलाने में आँखें चुरा रहे हैं,
गिरगिट जी अपना रंग आज भी दिखा रहे हैं।

ये आदत है उनकी, बातों से मुकर जाते हैं,
ज़रूरत पड़ने पर चाटुकार बन जाते हैं।

— डॉ. अरुण मिश्रा, अकेला

विश्व पर्यावरण दिवस पर निगम परिसर में हुआ पौधारोपण, हरियाली बढ़ाने का लिया संकल्प

स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त दुर्ग के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : महापौर

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, मनीष साहू, शिव नायक, अजीत वैद्य, सरस निर्मलकर, खिलावन मटियारा,जितेंद्र महोबिया, रामचंद्र सेन के साथ विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने एवं स्वच्छ वातावरण निर्मित करने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। बढ़ते प्रदूषण, घटते भू-जल स्तर और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। वृक्ष हमें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नियमित रूप से पौधारोपण करे और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाए तो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विशेष अवसरों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझने और निभाने का अवसर है। वर्तमान समय में पर्यावरण असंतुलन के कारण अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे में वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने घर, मोहल्ले एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देना चाहिए। पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने कहा कि नगर निगम द्वारा स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और हरियाली बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। शहर के विभिन्न वार्डों में पौधारोपण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, कचरे का पृथक्करण, प्लास्टिक का कम उपयोग तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण ही पर्यावरण संरक्षण के प्रभावी उपाय हैं। इस अवसर पर शिव नायक ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाते हुए महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा के साथ पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य शुभ अवसरों पर पौधे लगाने की परंपरा विकसित की जानी चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश भी जाता है।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पौधारोपण को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनाएं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com